दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जिस समाज में परंपराएँ केवल निभाई नहीं जातीं, बल्कि उनके पीछे छिपे अर्थ को समझा जाता है, वही समाज अपनी जड़ों से जुड़ा रहकर सच्चे विकास की ओर बढ़ता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-195 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 8 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

हलसोतिया–मिट्टी, मेहनत और आस्था का जीवंत उत्सव

भारतीय ग्रामीण जीवन की आत्मा उसकी परंपराओं में बसती है, और उन्हीं परंपराओं में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भावनात्मक पर्व है– 'हलसोतिया '। मानसून की पहली दस्तक के साथ ही जब धरती तपन से राहत पाती है और आकाश में बादल उमड़ने लगते हैं, तब किसान परिवारों में केवल मौसम नहीं बदलता, बल्कि जीवन का उत्साह भी नए रूप में जाग उठता है। बरसात का यह समय कृषि आधारित समाज के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होता, बल्कि यह वास्तव में एक 'महोत्सव' का स्वरूप ले लेता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। किसान के लिए वर्षा केवल जल नहीं, बल्कि जीवन का आधार होती है। जब पहली बारिश धरती को भिगोती है, तो सूखी, तपती जमीन जैसे नई ऊर्जा से भर उठती है। यही वह क्षण होता है जब किसान अपने खेतों की ओर लौटता है। हल, बैल, कृषि उपकरण और आस्था के साथ वह खेत में प्रवेश करता है। लेकिन यह केवल कृषि कार्य नहीं होता, यह एक सांस्कृतिक यात्रा होती है–जहाँ श्रम के साथ श्रद्धा भी जुड़ी होती है।

हलसोतिया की परंपरा इस बात का प्रतीक है कि भारतीय किसान केवल मेहनतकश नहीं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा हुआ व्यक्ति है। खेत में हल जोतने से पहले होने वाली पूजा, रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा और धरती माता से आशीर्वाद मांगने की प्रक्रिया इस बात को दर्शाती है कि खेती केवल उत्पादन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के बीच एक पवित्र संबंध है। इस अवसर पर किसान परिवारों में विशेष पकवान बनाए जाते हैं। गुड़, दलिया, लापसी और विभिन्न अनाजों से बनी खिचड़ी इस उत्सव का हिस्सा होती है। यह भोजन केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि परिवार की एकता और सामूहिकता का भी प्रतीक होता है। घर की महिलाएं खेत में जाकर किसान के लिए भोजन और पशुओं के लिए चारा लेकर जाती हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कृषि केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे परिवार का सामूहिक दायित्व है। हल जोतने के समय किसान की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा जाता है, जो उसकी मेहनत, सुरक्षा और समर्पण का प्रतीक होता है। इसी तरह ऊंट या बैल जैसे कृषि पशुओं का भी सम्मान किया जाता है। यह परंपरा इस बात को दर्शाती है कि भारतीय कृषि संस्कृति में मनुष्य और पशु दोनों को समान महत्व दिया गया है। खेत में जांटी की हरी टहनी लगाकर उस पर भी रक्षा सूत्र बांधना प्रकृति के प्रति आभार और संतुलन बनाए रखने की भावना को प्रकट करता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि किसान जब पहली बार बीज बोता है, तो वह केवल फसल नहीं बोता, बल्कि अपनी आशा, विश्वास और भविष्य भी बोता है। मिट्टी का पिंड बनाकर उसे घर लाना और परिंडे में जल रखना इस बात का संकेत है कि पानी और धरती दोनों को जीवन का आधार माना गया है। यह परंपरा पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण की चेतना को भी प्राचीन भारतीय संस्कृति से जोड़ती है। आज के आधुनिक समय में जब खेती तकनीक आधारित हो गई है, तब भी हलसोतिया जैसी परंपराएं हमें हमारी जड़ों से जोड़ती हैं। यह हमें याद दिलाती हैं कि विकास के साथ-साथ संस्कृति और परंपरा का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। अगर तकनीक खेती को आसान बनाती है, तो परंपराएं उसे आत्मा प्रदान करती हैं। किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि संस्कृति का संवाहक भी है। उसकी परंपराएं हमें यह सिखाती हैं कि प्रकृति से संघर्ष नहीं, बल्कि सहयोग ही जीवन का वास्तविक मार्ग है। हलसोतिया इसी सहयोग की भावना का उत्सव है–जहाँ धरती, जल, पशु और मानव एक साथ मिलकर जीवन की नई शुरुआत करते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इन परंपराओं को केवल रस्म न मानें, बल्कि इनके पीछे छिपे पर्यावरणीय, सामाजिक और सांस्कृतिक संदेशों को समझें। हलसोतिया केवल एक कृषि परंपरा नहीं, बल्कि यह उस गहरी जीवन-दृष्टि का प्रतीक है, जो मनुष्य को प्रकृति के साथ संतुलन में रहना सिखाती है।

अंततः कहा जा सकता है कि हलसोतिया भारतीय ग्रामीण जीवन का वह उज्ज्वल पक्ष है, जो श्रम को उत्सव, मेहनत को पूजा और प्रकृति को माता के रूप में देखता है। यही दृष्टि भारतीय कृषि संस्कृति को विश्व में अद्वितीय बनाती है।

बिना विकल्प हटा दीं इतिहास और संस्कृति की चार किताबें

प्रतियोगी परीक्षाओं में 25 प्रतिशत प्रश्न इन किताबों से होते थे

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । सरकार और शिक्षा मंत्री के अनुसार पुरानी किताबों में भ्रामक तथ्य शामिल थे। आरोप है कि इतिहास को चयनात्मक (सिलेक्टिव) तरीके से प्रस्तुत किया गया था। पहला कारण यह है कि आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत-2 (कक्षा 12) में अधिकांश उल्लेख कांग्रेस नेताओं का था, जबकि 103 पेज की किताब में अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी का सिर्फ दो पेजों पर जिक्र था। दूसरा कारण स्वर्णिम भारत-1 (कक्षा 11) में भी 84 पेजों पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर अधिक सामग्री होने का आरोप लगाया गया। तीसरा बड़ा कारण यह बताया गया कि किताबों में मुगल शासकों के योगदान को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया था। चौथे कारण के रूप में यह कहा गया कि मुगलों की तुलना में स्थानीय नायकों और क्षत्रिय समाज के योगदान को बहुत कम करके दिखाया गया था। इसी वजह से इन्हें हटाने का फैसला लिया गया।

किताबें हटने से स्कूली पढ़ाई और कंपटीशन के बीच पैदा होगा गैप

इन पाठ्य पुस्तकों में 1857 की क्रांति, राजस्थान के क्रांतिकारी, प्रमुख किसान आंदोलन, प्रजामंडल, राजस्थान का एकीकरण, राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएं, राजस्थान के प्रमुख संत और लोक देवता, प्रमुख त्योहार व मेले, राजस्थान के वस्त्र और आभूषण, राजस्थान की चित्रकला,

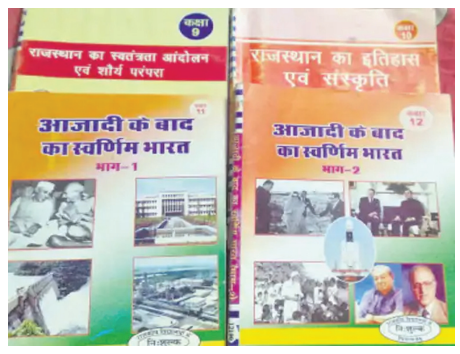

लोक कलाएं, लोक संगीत, लोक नृत्य, राजस्थानी भाषा साहित्य, प्रमुख पर्यटन स्थल के बारे में पढ़ाया जाता था। इन्हें पढ़ते हुए जाने-अनजाने में ही उनका राजस्थान प्रशासनिक सेवा (इस), शिक्षक भर्ती और सीईटी जैसी कठिन परीक्षाओं के लिए करीब 25 प्रतिशत आधार (फाउंडेशन) मुफ्त में तैयार हो जाता था।

अब किताबों के हटने से स्कूली पढ़ाई और कंपटीशन की तैयारी के बीच एक बड़ा गैप पैदा होगा। छात्रों को 12वीं के तुरंत बाद बुनियादी सामान्य ज्ञान के लिए निजी कोचिंग संस्थानों या बाजार की महंगी गाइडों पर निर्भर होना पड़ेगा, जो पहले सरकारी किताबों से मुफ्त में मिल जाता था। दूसरा बड़ा संकट प्रामाणिकता का होगा। आरपीएससी और कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षाओं में प्रश्नों के उत्तर पर विवाद होने पर कोर्ट केवल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) की किताबों को ही साक्ष्य मानता है। अब आधिकारिक दस्तावेज न होने से उत्तरों पर विवाद बढ़ेंगे और भर्तियां कोर्ट-कचहरी के चक्कर में उलझेंगी।

आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति, 52 बच्चों का चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सामाजिक संस्था एफर्ट्स द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने की पहल के तहत 52 बच्चों का चयन किया गया है। रविवार को अंबेडकर भवन, झुंझुनूं में प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच कर पात्र विद्यार्थियों का चयन किया गया।संस्था की कोर कमेटी ने चयन प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति का आकलन किया तथा उनके मूल दस्तावेजों का सत्यापन किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि झुंझुनूं जिले से कुल 105 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन किए थे, जिनमें से नियमों के अनुरूप पात्र पाए गए 52 विद्यार्थियों का चयन किया गया। एफर्ट्स संस्था उन प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए कार्य कर रही है, जो आर्थिक अभाव और उचित मार्गदर्शन की कमी के कारण 12वीं कक्षा के बाद अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते। संस्था द्वारा नीट, आईआईटी, यूपीएससी और आरएएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को 30-30 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। वहीं पटवारी, ग्राम सेवक, शिक्षक, पुलिस, व्याख्याता सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को 15 हजार रुपये तक की सहायता राशि दी जाएगी।

कोर कमेटी ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को 14 जून को सुबह 9 बजे अंबेडकर भवन, झुंझुनूं में आयोजित कार्यक्रम में छात्रवृत्ति के चेक वितरित किए जाएंगे। इसी अवसर पर एफर्ट्स द्वारा चयनित 36 विद्यार्थियों का सम्मान भी किया जाएगा। इस दौरान ओमप्रकाश भूरिया, मनेश्वर सिरोवा, डॉ. राकेश माहीच, महेश जसरापुर, डॉ. सुरेश शिला, मनोज नालवा, जितेंद्र गर्वा, सीताराम बास बुडाना, महेश दौलतपुरा, संदीप टंडन, अमरसिंह नारनौलिया, मदनलाल गुडेसर, सुनील गोठवाल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

कर्तव्य पथ पर अंतिम सफरः सेना के जांबाज हवलदार महेंद्र सिंह पंचतत्व में विलीन

मेहाड़ा जटूवास गांव में गूंजा 'भारत माता की जय'

भीमप्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

देश सेवा में समर्पित भारतीय सेना के हवलदार महेंद्र सिंह (39) का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। शनिवार को दिल्ली स्थित आरआर अस्पताल में अंतिम सांस लेने के बाद रविवार को उनका पार्थिव शरीर जब पैतृक गांव मेहाड़ा जाटुवास पहुंचा, तो पूरा क्षेत्र शोक और गर्व की मिश्रित भावनाओं से भर उठा। गांव की गलियों में सन्नाटा था, लेकिन आंखों में अपने वीर सपूत के प्रति सम्मान और देशभक्ति की चमक साफ दिखाई दे रही थी।हवलदार महेंद्र सिंह पुत्र चेतराम सिंह वर्ष 2016 में भारतीय सेना की 12 जाट रेजीमेंट में भर्ती हुए थे और वर्तमान में मेरठ में तैनात थे। वे हाल ही में एक माह पूर्व छुट्टी पर अपने गांव आए थे और पुनः ड्यूटी जॉइन करने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया। गंभीर स्थिति के चलते उन्हें दिल्ली रेफर किया गया, जहां चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

तिरंगे में लिपटा बेटा, गांव में उमड़ा जनसैलाब

जैसे ही हवलदार महेंद्र सिंह का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। युवाओं ने रामपुरा स्टैंड से तिरंगा यात्रा निकालकर अपने वीर जवान को श्रद्धांजलि दी। हर गली, हर मोड़ पर 'महेंद्र सिंह अमर रहें' और 'भारत माता की जय' के नारों से

वातावरण गूंज उठा।

सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई

अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। अलवर से आई सेना की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने वीर साथी को सलामी दी। इस दौरान माहौल इतना भावुक था कि कई लोग अपने आंसू रोक नहीं पाए।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हवलदार महेंद्र सिंह अपने पीछे पत्नी, तीन वर्षीय पुत्र आरव, पिता चेतराम सिंह (किसान) और बड़े भाई जितेंद्र सिंह को छोड़ गए हैं। परिवार के लिए यह क्षति अपूरणीय है। गांव के लोग परिवार को ढांढस बंधाते नजर आए, लेकिन शोक की गहराई शब्दों से परे थी।

गणमान्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अंतिम संस्कार में पूर्व मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सुरेश जाखिड़, कैप्टन केसर देव, पूर्व विधायक दाताराम गुर्जर, पूर्व प्रधान मदन लाल गुर्जर, प्रभू गुर्जर (राजोता), दयाराम गुर्जर, तहसीलदार सुनील कुमार मील, एएसआई पतराम, भोमाराम, सुशील घुमरिया, सुरेंद्र दायमा, सलमान खान, सत्येंद्र चौधरी, सत्यवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

ट्रायल रूम में गुप्त कैमरे के विरोध में चिड़ावा में फूटा जनाक्रोश, निकाली विशाल रैली

महापंचायत के बाद आक्रोश रैली, ट्रायल रूम कैमरा कांड पर कार्रवाई की मांग तेज

'बेटियों की सुरक्षा से समझौता नहीं'– कैमरा कांड के विरोध में चिड़ावा में जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

कस्बे के 'जमजम कलेक्शन' के ट्रायल रूम में गुप्त कैमरा लगाकर महिलाओं के वीडियो बनाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घिनौने कृत्य के विरोध में रविवार को चिड़ावा शहर के कबूतर खाना स्थित नेहरू पार्क में विभिन्न व्यापारिक और सामाजिक संगठनों की एक महापंचायत का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और प्रशासन से आरोपी शाहरूख मणिहार पुत्र शेरा मणिहार को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। बैठक के बाद अपनी मांगों को लेकर और घटना के विरोध में सभी संगठनों और आमजन ने एकजुट होकर कबूतर खाना से लेकर गांधी

चौक तक एक विशाल आक्रोश रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने महिलाओं की सुरक्षा और आरोपियों पर त्वरित कार्रवाई को लेकर जमकर नारेबाजी की। रैली के गांधी चौक पहुंचने पर चिड़ावा थाना एसएचओ कैलाश चन्द्र को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मामले की निष्पक्ष व त्वरित जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की गई। इस विरोध प्रदर्शन और रैली में भारी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और व्यापारी शामिल हुए- भाजपा नेता राजेश दहिया, नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, विहिप अध्यक्ष पृथ्वी राज शर्मा, राजेंद्र पाल सिंह कोच, नगर मंडल उपाध्यक्ष पवन शर्मा नवहाल,नीतिका थालौर, पूजा शर्मा, बबीता जिसपाल, अमित सैनी गोलू, शेरा नरहड़, रविंद्र गुर्जर, बिल्लू मुरादपुरिया, रामचंद्र शर्मा, विकास पायल, राकेश बाछूका, पीयूष बाछूका, पिंटू, आशू स्वामी, बाबूसिंह राजपुरोहित, भाजयुमो नगर अध्यक्ष अशोक शर्मा, सुनील भड़िया, सज्जन गोदारा, मुकेश खंडेलवाल, टी एम खान, बिट्टू पारिक, महेश धन्ना, विजय पंवार, महेश सैनी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने भी इस कृत्य के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की।

भाजपा शहर मंडल उदयपुरवाटी की मासिक बैठक संपन्न हुई

मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में पुरानी सब्जी मंडी के पास स्थित शिशु वाटिका सभागार में उदयपुरवाटी मंडल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई द्य बैठक में मुख्य वक्ता चोरे लाल सैनी उन्होंने मंडल पदाधिकारी के साथ संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में मंडल अध्यक्ष ने 7 जून से 21 जून के मध्य आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई तथा अलग-अलग पदाधिकारीयो को जिम्मेदारी दी गई एवं मंडल को सशक्तिकरण के उद्देश्य से बूथ अध्यक्षों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के पुनर्गठन पर भी विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर पूर्व बैठक के कार्यों की समीक्षा की गई। इस मौके पर मंडल महामंत्री अशोक सैनी, वीरेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र ढेनवाल, आनंद सैनी, दिनेश सैनी, अशोक कड़वासरा, राम सिंह सैनी, सुरेश सैनी ,विनोद कुमावत, राम लखन शर्मा आदि उपस्थित रहें।

आंधी-तूफान से उजड़ा गरीब का आशियाना, टीनशेड कमरा ध्वस्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.हरसौरा।

रमेशचंद्र । क्षेत्र में आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने एक गरीब परिवार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गांव चूला में गुंदासिद्ध मंदिर के पास रहने वाले हंसराज मेघवाल पुत्र थावरमल मेघवाल का टीनशेड से बना कमरा तेज हवाओं की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आंधी से टीनशेड की चादरें उखड़ गईं और सीमेंट की छत टूटकर बिखर गई, जिससे परिवार को भारी नुकसान हुआ। हंसराज मेघवाल ने बताया कि उनके पास केवल दो टीनशेड कमरे हैं। एक में परिवार रहता है और दूसरा पशुओं के लिए बनाया गया है। रविवार को आए तूफान में पशुओं वाला कमरा सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। हंसराज का कहना है कि उन्हें आज तक किसी सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। न शौचालय निर्माण के लिए सहायता मिली और न ही आवास योजना में घर स्वीकृत हुआ, इसलिए परिवार आज भी टीनशेड में रहने को मजबूर है। गुवाड़ा सरपंच सरोज देवी ने बताया कि हंसराज का नाम आवास योजना के लिए ऑनलाइन दर्ज किया गया है। भविष्य में स्वीकृति मिलने पर उन्हें लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। सरकार द्वारा हर जरूरतमंद तक आवास पहुंचाने के दावों के बीच हंसराज जैसे कई परिवार आज भी पक्के मकान की आस में हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने उनकी आर्थिक और सामाजिक परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

एक्यूप्रेशर में त्रिधातु पेय की उपयोगिता

चांदी- चांदी पाचनक्रिया से सम्बंधित रोगों को ठीक करती है तथा यह जिगर, आमाशय, अंतड़ियों के बहुत सारे रोगों को भी ठीक करती है। मूत्रप्रणाली से सम्बंधित रोगों को भी चांदी ठीक करती है।

तांबा- तांबा जोड़ों के रोगों, पोलियो, कुष्ठरोग, रक्तचाप से सम्बंधित रोग, घुटने का दर्द, मानसिक तनाव, लकवा तथा पुराने रोगों को ठीक करता है। इन तीनों धातुओं का उपयोग स्त्री, पुरुष, बच्चे-जवान तथा बूढ़े सभी के लिए बहुत ही लाभदायक है। एक्यूप्रेशर चिकित्सा करने के साथ-साथ अगर इन धातुओं से पेय पदार्थ बनाकर इनका उपयोग किया जाए तो रोग जल्दी ही ठीक हो जाता है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा के द्वारा रोगों को जल्दी ठीक करने के लिए कुछ पेय पदार्थ लिए जाए तो रोग बहुत जल्दी ठीक हो जाते हैं। पुराने से पुराने रोगों को ठीक करने के लिए एक्यूप्रेशर चिकित्सा करने के साथ-साथ रोगी को प्रतिदिन त्रिधातु पेय पिलाया जाए तो रोग जल्दी ही ठीक हो जाता है तथा इस पेय पदार्थ का सेवन करने से व्यक्ति लम्बी आयु तक स्वस्थ रहता है।

पुराने जमाने में राजा महाराजा सोने-चांदी के बर्तनों में खाना खाते थे तथा वे मुरब्बों पर सोने तथा चांदी के वरक लगाकर उसको खाते थे। आज भी कई औषधियों तथा मिठाइयों पर सोने-चांदी के वरक लगाए जाते हैं। देखा जाए तो ये सोने और चांदी के वरक अमीरी के परिचालक हैं व स्वास्थ्य के दृष्टि से भी लाभदायक हैं। सभी धातुओं का स्वास्थ्य की दृष्टि से अपने अलग-अलग गुण होते हैं, जो इस प्रकार हैं-

सोना- सोना श्वास प्रणाली से सम्बंधित रोगों को ठीक करता है जैसे- दमा, फेफड़ों के रोग, सांस फूलना आदि। इसके अलावा यह हृदय तथा मस्तिष्क के रोगों को भी ठीक करता है।

सोना-चांदी-तांबे से पेय बनाने का तरीका

- लगभग एक तौला (10 ग्राम) सोने के सिक्के या गहने या कंगन आदि लें। गहना ऐसा लेना चाहिए, जिसमें कोई मोती या नग न हो जैसे गले की जंजीर।
- लगभग पांच तौला (50 ग्राम) शुद्ध चांदी के सिक्के या कोई चांदी का गहना, जिसमें मोती न लगा हो उसे ले लें।
- लगभग चार तौला (40 ग्राम) शुद्ध तांबे के सिक्के या तांबे का छोटा-सा बर्तन ले लें। यह ध्यान रहे कि बिजली के तार वाला तांबा पेय पदार्थ बनाने के लिए ठीक नहीं होता है।
- इन तीनों धातुओं को सुबह के समय में अच्छी तरह से साफ कर लें तथा किसी स्टील के बर्तन में लगभग 3 प्याले साफ पानी और तीनों धातुओं को डालकर आग पर रखकर उबालें। जब पानी उबलकर एक प्याले के बराबर की मात्रा में रह जाए तो उसे आग से उतार लें। फिर पानी से धातु की वस्तुओं को निकाल लें तथा इसके बाद पानी को साफ कपड़े से छान लें। अब यह पानी उपचार करने के लिए योग्य हो जाता है। इस पेय में रोगों को दूर करने के गुण समाहित हो जाते हैं।
- जब रोगी का उपचार एक्यूप्रेशर चिकित्सा के द्वारा कर रहे हों तथा इसके साथ त्रिधातु का पेय भी रोगी को पीने के लिए दे रहे हों तो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि खट्टे पदार्थ उस समय न खाएं जैसे नींबू का रस, इमली तथा आम आदि खट्टे पदार्थ। त्रिधातु पेशाब से सम्बंधित रोगों को ठीक करने के लिए काफी फायदेमंद है तथा यह रोगी व्यक्ति को स्वस्थ भी बनाता है। वैसे तो आंवले द्वारा बनाया गया पेय पदार्थ भी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पाचन-शक्ति बढ़ाता है वज्रासन

वज्रासन का अर्थ है बलवान स्थिति। पाचनशक्ति, वीर्यशक्ति तथा स्नायुशक्ति देने वाला होने से यह आसन वज्रासन कहलाता है। इसका ध्यान मूलाधार चक्र में होता है और और श्वास दीर्घ ग्रहण किया जाता है।

विधि : बिछे हुए आसन पर दोनों पैरों को घुटनों से मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। पैर के दोनों अंगूठे परस्पर लगे रहें। पैर के तलवों के ऊपर नितम्ब रहे। कमर और पीठ बिलकुल सीधी रहे, दोनों हाथ को कुहनियों से मोड़े बिना घुटनों पर रख दें। हथेलियां नीचे की ओर रहें। दृष्टि सामने स्थिर कर दें। पांच मिनट से लेकर आधे घंटे तक वज्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। वज्रासन लगाकर भूमि पर लेट जाने से सुप्त वज्रासन होता है।

लाभ : वज्रासन के अभ्यास से शरीर का मध्यभाग सीधा रहता है। श्वास की गति मन्द पड़ने से वायु बढ़ती है। आंखों की ज्योति तेज होती है। वज्रनाड़ी अर्थात वीर्यधारा नाड़ी मजबूत बनती है। वीर्य की ऊर्ध्वगति होने से शरीर वज्र जैसा बनता है। लम्बे समय तक सरलता से यह आसन कर सकते हैं। इससे मन की चंचलता दूर होकर व्यक्ति स्थिर बुद्धिवाला बनता है। शरीर में रक्ताभिसरण ठीक से होकर शरीर निरोगी एवं सुन्दर बनता है। भोजन के बाद इस आसन से बैठने से पाचन शक्ति तेज होती है। कब्ज दूर होता है। भोजन जल्दी हजम होता है। पेट की वायु का नाश होता है। कब्ज दूर होकर पेट के तमाम रोग नष्ट होते हैं। पाण्डुरोग से मुक्ति मिलती है। रीढ़, कमर, जांघ, घुटने और पैरों में शक्ति बढ़ती है। कमर और पैर का वायु रोग दूर होता है। स्मरणशक्ति में वृद्धि होती है। स्त्रियों के मासिक धर्म की अनियमितता जैसे रोग दूर होते हैं। शुक्रदोष, वीर्यदोष, घुटनों का दर्द आदि का नाश होता है। स्नायु पुष्ट होते हैं। स्फूर्ति बढ़ाने के लिए एवं मानसिक निराशा दूर करने के लिए यह आसन उपयोगी है। ध्यान के लिए भी यह आसन उत्तम है। इसके अभ्यास से शारीरिक स्फूर्ति एवं मानसिक प्रसन्नता प्रकट होती है। दिन-प्रतिदिन शक्ति का संचय होता है, इसलिए शारीरिक बल में खूब वृद्धि होती है। काग का गिरना अर्थात गले के टांसिल्स, हड्डियों के पोल आदि स्थानों में उत्पन्न होने वाले श्वेतकण की संख्या में वृद्धि होने से आरोग्य का साम्राज्य स्थापित होता है। फिर व्यक्ति बुखार व सिरदर्द से, कब्ज और मंदाग्नि से या अजीर्ण जैसे छोटे-मोटे किसी भी रोग से पीड़ित नहीं रहता, क्योंकि रोग आरोग्य के साम्राज्य में प्रविष्ट होने का साहस ही नहीं कर पाते।

अति गुणकारी दालचीनी

दालचीनी का उपयोग रोजाना मसालों में सुगन्ध और स्वाद लाने के लिए किया जाता है। यह मुख शुद्धि और कंठ शुद्धि करती है।

- मोटी दालचीनी उष्ण, तीखी, रूक्ष और पित्तकारक है। यह कफ, वायु, खुजली तथा अरुचि का नाश करने वाली एवं हृदय रोग, अर्श, कृमि मिटाने वाली और वीर्यकारक है।
- पतली दालचीनी मधुर, कड़वी, तीखी, सुगंधित, वीर्यवर्धक, शरीर के रंग को निखारने वाली, वायु, पित्त, मुखशोष और तृषा मिटाने वाली है।
- दालचीनी का सेवन करने से अजीर्ण, उल्टी, लार, उदरशूल और अफरा मिटता है। यह स्त्रियों का ऋतुस्राव साफ लाती है और गर्भाशय का संकोचन करती है।
- दालचीनी पानी में पीसकर गर्म करके कनपटी पर लेप करने से अथवा अर्क लगाने से सर्दी के कारण होने वाला सिरदर्द मिटता है।
- दालचीनी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा पीने से जुकाम दूर होता है।
- दालचीनी का 2-3 बूंद तेल एक कप पानी में मिलाकर पीने से इन्फ्लूएंजा, गृहिणी, आंत्रशूल, हिचकी, उल्टी आदि में काम करता है।
- वैज्ञानिक मतानुसार यह अत्यंत उपयोगी सुगंधित औषधि है। यह उष्ण दीपन, पाचन, वातहर, स्तंभण, गर्भाशय उत्तेजक, गर्भाशय संकोचक एवं शरीर उत्तेजक है। यह जन्तुनाशक है और कालज्वर टाइफाइड तथा अन्य संक्रामक रोगों का नाश करती है एवं उबकाई, उल्टी व अतिसार को मिटाती है।

दालचीनी का तेल उत्तेजक है, अत : यह दांत का शूल, पेट का शूल, जीभ का रुक जाना, जुबान बन्द हो जाना आदि पर गुणकारी है। गरम प्रकृति वालों को दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिए। दालचीनी के दीर्घकाल तक सेवन करने से नपुंसकता आती है। इसका तेल भी अत्यधिक मात्रा में विषतुल्य है।

दर्द भगाने के कारगर उपाय

जिस तरह का जीवन हम जी रहे हैं, उसमें सिरदर्द होना एक आम बात है। लेकिन यह दर्द हमारी दिनचर्या में शामिल हो जाए तो हमारे लिए बहुत कष्टदायी हो जाता है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए हम पेनकिलर घरेलू उपाय अपनाकर इसे दूर कर सकते हैं। इन घरेलू उपायों के कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होते।

अदरक
अदरक एक दर्द निवारक दवा के रूप में भी काम करती है। यदि सिरदर्द हो रहा हो तो सूखी अदरक को पानी के साथ पीसकर उसका पेस्ट बना लें और इसे अपने माथे पर लगाएं। इसे लगाने पर हल्की जलन जरूर होगी, लेकिन यह सिरदर्द दूर करने में मददगार होती है।

सोडा
पेट में दर्द होने पर कप पानी में एक चुटकी खाने वाला सोड़ा डालकर पीने से पेट दर्द में राहत मिलती है। स्त्रियों के मासिक धर्म के समय पेट के नीचे होने वाले दर्द को दूर करने में खाने वाला सोड़ा पानी में मिलाकर पीने से दर्द दूर होता है। एसिडिटी होने पर एक चुटकी सोड़ा, आधा चम्मच भुना और पिसा हुआ जीरा, 8 बूंदे नींबू का रस और स्वादानुसार नमक पानी में मिलाकर पीने से एसिडिटी में राहत मिलती है।

अजवायन
सिरदर्द होने पर एक चम्मच अजवायन को भूनकर साफ सूती कपड़े में बांधकर नाक के पास लगाकर गहरी सांस लेने से सिरदर्द में राहत मिलती है। ये प्रक्रिया तब तक दोहराएं, जब तक आपका सिरदर्द ठीक नहीं हो जाता। पेटदर्द को दूर करने में भी अजवायन सहायक होती है। पेटदर्द होने पर आधा चम्मच अजवायन को पानी के साथ फांखने से पेटदर्द में राहत मिलती है।

बर्फ
सिरदर्द में बर्फ की सिंकाई करना बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा स्पॉन्डिलाइटिस में भी बर्फकी सिंकाई लाभदायक होती है। गर्दन में दर्द होने पर भी बर्फ की सिंकाई लाभदायक होती है।

हल्दी
हल्दी कीटाणुनाशक होती है। इसमें एंटीसेप्टिक, एंटीबायोटिक और दर्द निवारक तत्व पाए गए हैं। ये तत्व चोट के दर्द और सूजन को कम करने में सहायक होते हैं। घाव पर हल्दी का लेप लगाने से वह ठीक हो जाता है। चोट लगने पर दूध में हल्दी डालकर पीने से दर्द में राहत मिलती है। एक चम्मच हल्दी में आधा चम्मच काला गर्म पानी के साथ फांखने से पेट दर्द व गैस में राहत मिलती है।

तुलसी के पत्ते
तुलसी में बहुत सारे औषधीय तत्व पाए जाते हैं। तुलसी की पत्तियों को पीसकर चंदन पाउडर में मिलाकर पेस्ट बना लें। दर्द होने पर प्रभावित जगह पर उस लेप को लगाने से दर्द में राहत मिलेगी। एक चम्मच तुलसी के पत्तों का रस शहद में मिलाकर हल्का गुनगुना करके खाने से गले की खराश और दर्द दूर हो जाता है। खांसी में भी तुलसी का रस काफी फायदेमंद होता है।

मैथी
एक चम्मच मेथी दाना में चुटकी-भर पिसी हुई हींग मिलाकर पानी के साथ फांखने से पेटदर्द में आराम मिलता है। मैथी डायबिटीज में भी लाभदायक होती है। मैथी के लड्डू खाने से जोड़ों के दर्द में लाभ मिलता है।

हींग
हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेटदर्द में हींग का सेवन लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर हींग को पानी में घोलकर पकाने और उसे बच्चों की नाभि के चारों ओर उसका लेप करने से दर्द में राहत मिलती है।

सेब
सुबह खाली पेट प्रतिदिन एक सेब खाने से सिरदर्द की समस्या से छुटकारा मिलता है। चिकित्सकों का मानना है कि सेब का नियमित सेवन करने से रोग नहीं घेरते।

करेला
करेले का रस पीने से पित्त में लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में करेले का रस लगाने से काफी राहत मिलती है।

इयर रिंग्स से प्रॉब्लम में आजमाएं

कानों में बालियां और झुमके पहनना कौन लड़की नहीं चाहती। लेकिन कभी-कभी लगातार इयर रिंग्स पहनने से कान के छेद में खुजली, दाने या सूजन आ जाती है। जानती हैं इसकी वजह क्या होती है? आपके कान की बाली में मौजूद निकिल की वजह से ऐसा होता है। इसका एक खास इलाज है। अपने कान से बालियां निकालकर कान के छेद को हाइड्रोजन पैराऑक्साइड से धोएं। यही नहीं, कानों को एलर्जी से बचाने के लिए हमेशा सोने या चांदी की बालियां पहनें या फिर कान की तली में नेल पॉलिश का एक कोट लगाकर पहनें। इससे न तो आपको कान में घाव होगा और न ही दाने होंगे।

कैंसर से जंग लड़ रहे छोटेलाल मेघवाल के लिए बढ़े मदद के हाथ, समाज से आर्थिक सहयोग की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से जूझ रहे ग्राम बसई निवासी छोटेलाल मेघवाल पुत्र जमनालाल मेघवाल की बिगड़ती आर्थिक स्थिति ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। लंबे समय से चल रहे इलाज के कारण परिवार की जमा-पूंजी समाप्त हो चुकी है और अब रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी करना कठिन हो गया है। ऐसे कठिन समय में समाज के जागरूक लोगों ने मानवता के नाते आगे आकर आर्थिक सहयोग की अपील की है।परिवार में पत्नी गीता देवी के साथ तीन बेटियां और एक बेटा है। परिवार का भरण-पोषण पहले मजदूरी के सहारे चलता था, लेकिन वर्ष 2024 में छोटेलाल मेघवाल के कैंसर से पीड़ित होने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई। घर की आर्थिक रीढ़ टूट चुकी है और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।सबसे मार्मिक पहलू यह है कि पुत्र हिमांशु ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद 12वीं विज्ञान संकाय में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है, लेकिन पिता की बीमारी और आर्थिक तंगी ने उसके भविष्य पर भी

अनिश्चितता के बादल खड़े कर दिए हैं।

समाजसेवी राकेश ढींकवाल की पहल, सोशल मीडिया से शुरू हुई मदद की मुहिम

सामाजिक कार्यकर्ता राकेश ढींकवाल ने सोशल मीडिया ग्रुप्स के माध्यम से पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक सहायता की अपील की है। उन्होंने सर्व समाज से आग्रह किया है कि मानवता के नाते आगे आकर इस परिवार की मदद करें ताकि इलाज संभव हो सके और बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

सरकारी मदद और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद सरकारी सहायता और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका नजर नहीं आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर सहयोग मिलता तो परिवार को इस तरह की आर्थिक त्रासदी का सामना नहीं करना पड़ता।

सर्व समाज से भावुक अपील

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सर्व समाज से अपील की है कि आगे आकर छोटेलाल मेघवाल के इलाज और परिवार के भरण-पोषण के लिए आर्थिक सहयोग करें। उनका कहना है कि यह केवल सहायता नहीं बल्कि मानवता और सामाजिक एकता का परिचय होगा।

छोटी मदद भी बन सकती है बड़ी राहत

स्थानीय समाजसेवियों का कहना है कि इस कठिन समय में यदि हर व्यक्ति अपनी क्षमता अनुसार सहयोग करे तो छोटेलाल मेघवाल का इलाज संभव हो सकता है और परिवार को जीवन की नई उम्मीद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यह समय केवल एक परिवार का नहीं बल्कि मानवता की परीक्षा का है।

अंबेडकर भवन नारनौल में मेधावी बेटियों का राज्यस्तरीय सम्मान

अंबेडकर भवन नारनौल में राज्य टॉपर बेटियों का सम्मान, 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दो मेधावी छात्राओं–भिवानी की दीपिका और रेवाड़ी की दीपिका मेघवाल का रविवार को अंबेडकर भवन, मालवीय नगर नारनौल में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के तत्वावधान में किया गया। समारोह में दोनों छात्राओं को 11-11 हजार रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि, मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र, शॉल, पटका एवं फूल मालाएं भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके अभिभावकों को भी शॉल और पटका पहनाकर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के प्रधान राजपाल गोरा ने की, जबकि मंच संचालन महासचिव रामकिशन मरोड़िया ने किया।संघ के प्रेस सचिव जयसिंह नारनौलिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों, विशेषकर वंचित एवं अनुसूचित वर्ग की बेटियों को प्रोत्साहित करना है। वक्ताओं ने कहा कि दोनों छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है तथा उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि यदि उचित अवसर और मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियां भी बड़ी सफलताएं हासिल कर सकती हैं। इस अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष

सामरिया, प्रो. सुभाष जौली, पूर्व प्रधान जयनारायण दुग्गल, प्राचार्य सुनील गोरा, प्रवक्ता सतीश चंदपुरा सहित अनेक शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महल अनुसूचित जाति विकास मंच, अंबेडकर अनुसूचित जाति कल्याण संघ नांगल दरगु, बाबा भीमराव अंबेडकर युवा ग्रुप मिर्जापुर बाछोद, ग्राम चंदपुरा युवा टीम और मोहल्ला पुरानी मंडी टीम ने भी दोनों छात्राओं का सम्मान किया। कार्यक्रम में भानुप्रिया, मोनिका, खुशबू और गरिमा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के गीतों पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और ग्रामीणों ने भाग लिया। वक्ताओं ने दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।

उदयपुरवाटी की लाडली बेटी मीनाक्षी विश्वास का जगह-जगह हुआ जोरदार स्वागत मीनाक्षी विश्वास ने मिसेज राजस्थान 2026 रनर अप का जीता है खिताब

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में सावन वाले कुए पर रहने वाले डॉक्टर तपन कुमार विश्वास की लाडली बिटिया मीनाक्षी विश्वास ने मिसेज राजस्थान 2026 का रनरअप का खिताब जीतने पर उदयपुरवाटी कस्बे में घूम चक्कर से लेकर उनके आवास तक डीजे की धुन पर नाचते गाते लोगों ने उनके आवास तक जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया। जयपुर से उदयपुरवाटी अपने परिवार से मिलने आई मीनाक्षी विश्वास का मिसेज राजस्थान 2026 के सफर

के बाद जहां उनके घर परिवार में खुशी का माहौल है वहीं उदयपुरवाटी में भी लोगों ने काफी खुशी जाहिर की है य इस दौरान मीनाक्षी विश्वास के पिता तपन कुमार विश्वास ,माता सुजाता विश्वास, पति अभिजीत सिंह, के अलावा डॉक्टर तपन कुमार विश्वास के अजीज मित्र मूलचंद सैनी , विनोद शर्मा, उषा शर्मा ,नायना विश्वास ,सुजाय विश्वास , दिया विश्वास, कौशल्या, आशा, सुनीता, मनीषा, गौरव, सजना, अनु, शालू आदि लोग मौजूद रहे

माटी कला के उत्थान पर आधारित पुस्तक 'माटी राजस्थान री' का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान सरकार के श्रीयादे माटी कला बोर्ड के दो वर्ष के सफल कार्यकाल एवं उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक 'माटी राजस्थान री' का विमोचन झुन्झुनू भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी एवं पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी ने बोर्ड द्वारा माटी कला एवं कुम्हार समाज के उत्थान, पारंपरिक कला के संरक्षण तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बोर्ड के प्रयासों से प्रदेश के माटी कला से जुड़े कारीगरों को नई पहचान और प्रोत्साहन मिला है। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष महावीर ढाका, भाजपा जिला मंत्री विनोद कुमावत, भाजपा जिला प्रवक्ता संजय मोरवाल, मण्डावा पंचायत समिति सदस्य राहुल कुमास, भाजपा प्रकोष्ठ संयोजक जयप्रकाश, राजकुमार धुवां, अनिल नैण, निखिल मावण्डिया, संजीव महला, मंजित सैनी तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश सैनी सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

कोटपूतली में आंधी-बारिश का कहर: नगर परिषद का बोर्ड गिरा, टीन शेड उड़कर घर पर गिरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.कोटपूतली।

रमेशचंद । रविवार शाम करीब 5:30 बजे कोटपूतली क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ली। करीब आधे घंटे तक चली तेज आंधी और मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। तेज हवाओं के कारण कई जगह जलभराव हो गया और बिजली व्यवस्था चरमरा गई।कोटपूतली-बानसूर सीमा पर लगा नगर परिषद का बड़ा बोर्ड तेज हवा से उखड़कर सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि उस समय कोई वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बोर्ड हटाने के कारण कुछ देर यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से सुचारू किया गया। बारिश के कारण बानसूर, नारायणपुर समेत आसपास के कई क्षेत्रों की सड़कों पर पानी भर गया। निचले इलाकों में जलभराव से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ी। सबलपुरा ग्राम पंचायत की फूल सिंह की ढाणी में तेज आंधी से करीब 30म38 फीट का टीन शेड उड़कर मनोज सिंह चौहान के मकान की छत पर जा गिरा। राहत की बात यह रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। तूफान का असर बिजली आपूर्ति पर भी पड़ा। कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और क्षतिग्रस्त

लाइनों को ठीक करने का काम शुरू किया। प्रशासन ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

धम्मस्थली जयपहाड़ी बुद्ध विहार में दान-पारमिता का अनुपम उदाहरण, श्रद्धा व सेवा भाव का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जयपहाड़ी स्थित बुद्ध विहार (धम्मस्थली) में सेवा, श्रद्धा और दान की भावना का अनुपम दृश्य उस समय देखने को मिला जब परिनिर्वृत श्रवण कुमार नेमीवाल, पूर्व मैनेजर की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी मोहनी देवी नेमीवाल (निवासी गोदू का बास, हाल बसंत विहार झुंझुनूं) द्वारा बुद्ध विहार में वाटर कूलर भेंट किया गया। इस अवसर ने न केवल परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर किया बल्कि सेवा और परोपकार की परंपरा को भी नई ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम में श्रद्धेय भंते विनयपाल जी ने दानदाता परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए तथागत बुद्ध एवं बोधिसत्व से आशीर्वाद की प्रार्थना की। उन्होंने दान-पारमिता के इस कार्य की अनुमोदना करते हुए कहा कि जलदान एवं सेवा कार्य सर्वोच्च पुण्य का मार्ग है, जो समाज में सकारात्मकता और करुणा का विस्तार करता है। इस पवित्र अवसर पर उपस्थित उपासक एवं उपासिकाओं को भंते जी द्वारा त्रिसरण एवं पंचशील ग्रहण कराए गए तथा धम्मदेशना के माध्यम से जीवन में नैतिकता, करुणा और संयम के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में भागीरथ नेमीवाल, हनुमान प्रसाद नेमीवाल, डॉ. संदीप नेमीवाल, विद्याधर नेमीवाल, नीलू दानोदिया, सवाई सिंह भूरिया, सुमित

नेमीवाल, इंजीनियर मालीराम (ट्रस्टी), बलवीर सिंह काला (ट्रस्टी एवं सचिव), बी.एल. बौद्ध (ट्रस्टी), धर्मपाल बौद्ध भोभिया (ट्रस्टी), दुर्गाप्रसाद बोयल (ट्रस्टी एवं मैनेजर), राजकुमार बोयल (सहायक मैनेजर), मनोज बोयल (सहायक मैनेजर), रोहिताश बोयल सहित दारासिंह कलवा, कमलेश काकोडा, मिनाक्षी नेमीवाल, सुशीला, संतोष, दुर्गावती, कुसुमलता बौद्ध एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। अंत में भंते विनयपाल ने मंगल मैत्री पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन किया तथा सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

8 जून को नारनौल आएंगे सीएम नायब सिंह सैनी, BJP कार्यालय में करेंगे कार्यकर्ता सम्मेलन

महेंद्रगढ़ रोड पर भव्य स्वागत की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 8 जून, रविवार को नारनौल दौरे पर आ रहे हैं। वे महेंद्रगढ़ रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर शहर में भव्य स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। स्वागत के लिए सजा शहर भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए महेंद्रगढ़ रोड से लेकर हुड्डा सेक्टर-1 तक विशेष साज-सज्जा की जा रही है। मार्ग में जगह-जगह स्वागत द्वार व होर्डिंग्स लगाए गए हैं। पार्टी कार्यालय को फूलों व लाइटों से सजाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं में मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

कार्यकर्ताओं को देंगे जीत का मंत्र

पार्टी सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान जिला भाजपा कार्यालय में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे। आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान करेंगे। सीएम के दौरे को

देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सपी साहब ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।। नगर पालिका द्वारा सड़क की साफ-सफाई व पैचवर्क का कार्य कराया जा रहा है।

विकास कार्यों की घोषणा संभव

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान नारनौल विधानसभा क्षेत्र के लिए कई नई विकास परियोजनाओं की घोषणा कर सकते हैं। इससे क्षेत्रवासियों में उम्मीद जगी है। भाजपा नेताओं ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे 8 जून को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मुख्यमंत्री का स्वागत करें।

बालाजी मंदिर में गूंजी भक्ति की स्वर लहरियां, संगीतमय सुंदरकांड व भजन संध्या का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्टेशन मार्ग पर आदर्श विद्या मंदिर के सामने स्थित नोपाराम सोनी बगीची बालाजी मंदिर शनिवार को देर रात तक बही भजनों की रसगंगा व संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए पंडित गौरीशंकर शर्मा, अनूप कुमार खुडीवाल, मयंक

भूमावाले ने बताया कि सदाबहार मौहल्ले के युवाओं व शिकरीबंद महादेव भक्त मंडल व स्थानीय कलाकारों की ओर से देर-रात भजनों की अमृत वर्षा की तथा इससे पूर्व संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद थे। इससे पूर्व मंदिर कु सजावट कर बालाजी का अलौकिक श्रृंगार कर महाआरती की गई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले युवाओं ने कुएं की खेळ की सफाई और जीर्णोद्धार कर पानी से भर कर पशुओं के पीने के लिए तैयार कर नियमित रूप से पानी की व्यवस्था की। इससे पहले कुएं की बगीची के बालाजी मंदिर में पंडित गौरीशंकर शर्मा के मन्त्र उच्चारण के द्वारा व्यवसायी विजय कुमार सोनी के कर कमलो द्वारा विधिवत पूजन करवाकर सुंदरकांड का शुभारंभ किया गया मंदिर के पुजारी मीठु पाराशर मोंटी पाराशर ने आभार व्यक्त किया।

वाहिदपुरा अस्पताल परिसर में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम वाहिदपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण एवं जन जागृति संस्थान लुमाश के तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सा अधिकारियों, अस्पताल स्टाफ एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितेश चावला, पशु चिकित्सक डॉ. पवन कुमार, पशु चिकित्सालय स्टाफ के सुनील कुमार, अनुज कुमारी, सुषमा, वेद कौर, राकेश, राजेश सहित बड़ी संख्या में

ग्रामीणजन उपस्थित रहें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की आधारशिला भी हैं। चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितेश चावला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति वर्ष में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संतुलन को मजबूत किया जा सकता है। वहीं पशु चिकित्सक डॉ. पवन कुमार ने ग्रामीणों से जल संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं अस्पताल स्टाफ ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। अंत में पशु चिकित्सालय के नर्सिंग कंपाउंडर द्वारा सभी को पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने तथा पौधों के संवर्धन की शपथ दिलाई गई। इस आयोजन से क्षेत्रवासियों में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक जागरूकता देखने को मिली तथा लोगों ने प्रकृति संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

बाइक पर ससुराल जा रहे युवक की दुर्घटना में मौत

हादसे में घायल दूसरा युवक गंभीर हालत में सीकर रैफर

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में सीएचसी में एकत्रित मृतक के परिजन और ग्रामीण क्षेत्र के छापोली से बाइक पर मणकसास की तरफ जा रहे बाइक सवार मिनी बस की टक्कर से गंभीर घायल हो गए। उदयपुरवाटी सीएचसी लाने पर एक युवक को मृत घोषित कर दिया व दूसरे को गंभीर हालत में सीकर रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार छापोली निवासी श्यामलाल सैनी (30) पुत्र भोपाल राम अपने साथी राहुल पुत्र नरेश के साथ बाइक पर अपने ससुराल मणकसास जा रहा था। रास्ते में मावता के नजदीक सामने से आ रही मिनी बस ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार दोनों युवकों को निजी वाहनों से उदयपुरवाटी सीएचसी लाया गया। डॉक्टरों ने श्यामलाल सैनी को मृत घोषित कर दिया और राहुल को प्राथमिक उपचार

के बाद गंभीर हालत में सीकर रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार मृतक के शव का पोस्टमार्टम कर मृतक का शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है य ग्रामीणों को मामले की सूचना मिलने पर उदयपुरवाटी सीएचसी पर एकत्रित होना शुरू हो गए। पुलिस को सूचना मिलने पर पचलंगी चौकी प्रभारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दोनो वाहनों को उदयपुरवाटी पुलिस थाने पहुंचा दिया।

हर नगर निकाय में लगें 5 हजार पेड़, पार्कों की हालत सुधारे सरकार: के.के. गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के. के. गुप्ता ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र भेजकर प्रदेश के सभी नगर निकायों में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ, सुंदर एवं हरित राजस्थान' के विजन को साकार करने के लिए प्रत्येक नगर निकाय में कम से कम 5 हजार वृक्ष लगाए जाएं तथा पौधों की सुरक्षा के लिए मजबूत ट्री गार्ड लगाए जाएं। गुप्ता ने नगर परिषदों द्वारा संचालित पार्कों, उद्यानों और बाग-बगीचों की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए नियमित सफाई, रखरखाव और सौंदर्यीकरण के लिए विशेष निर्देश जारी करने की मांग भी की है।

माजरी भाण्डा में पथवारी माता के प्रथम वार्षिकोत्सव पर उमड़ा जनसैलाब, डॉ. अंजलि यादव ने की शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । पथवारी माता के प्रथम वार्षिकोत्सव एवं भंडारे के अवसर पर गांव में भक्तिमय माहौल रहा। धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन के तहत कलश यात्रा, माता का जागरण, हवन-पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भजनों और मंत्रोच्चार से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंजलि यादव ने कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं। हमारी सनातन परंपराएं समाज को जोड़ने और सेवा भाव को बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं। डॉ. यादव ने पथवारी माता के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उन्होंने समस्त ग्रामवासियों और आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

थाना शहर टोहाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली करते एक आरोपी को किया काबू, सट्टा सामग्री व 4450 रूपए की नगदी बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने सार्वजनिक जुआ गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए टोहाना के कल्याण नगर, मनियाणा रोड निवासी बलदेव पुत्र गज्जु राम को सट्टा खाईवाली करते हुए काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा सामग्री तथा रू4450 की नगदी बरामद की है।नियमानुसार कार्रवाई के बाद आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कल्याण नगर निवासी बलदेव रेलवे पुल के नीचे गौशाला के सामने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान एक बोगस ग्राहक के माध्यम से सट्टा लगवाकर आरोपी की गतिविधि की पुष्टि की गई। इसके बाद आरोपी को काबू कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से सट्टा पर्चियां, एक बॉल पेन तथा 4450 की नगदी बरामद हुई।

झड़ाया में यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा ने यज्ञ शाला का किया अवलोकन

ऐतिहासिक होग झडाया में आयोजित होने वाला 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ- मदनलाल भावरिया

17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झडाया बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा व उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री व यज्ञ समिति के कार्यकर्ताओं ने यज्ञ स्थल व कथा पंडाल का अवलोकन किया द्य रविवार को झडाया बजरंग धाम आश्रम पर मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में यज्ञ को लेकर यज्ञ सेवा समिति के कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया गया। यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने बताया कि इस बार झडाया बजरंग धाम आश्रम पर आयोजित होने वाला 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ बडा ही ऐतिहासिक महायज्ञ होगा द्य यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा एवं संजय शास्त्री ने यजमानों की जानकारी का भी ब्यौरा लिया और यज्ञ सामग्री के बारे में बातचीत की द्य कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल भी अपनी टीम सहित बालाजी धाम पहुंचे व लेखा-जोखा की जानकारी ली। यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने भी यज्ञ प्रकृति रिपोर्ट प्रस्तुत की। भावरिया के अनुसार इस बार आयोजित होने वाला यज्ञ बड़ा ही ऐतिहासिक महायज्ञ होगा जिसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई देगी द्य इस दौरान अजमेरी वाला शजी धाम के महंत का भी यज्ञ सेवा समिति की तरफ से जोरदार सम्मान किया गया। इस दौरान उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री, हजारी प्रसाद कसाना, सुभाष चंद लाम्बा,घासी राम, प्रहलाद राम, मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़, सुंडाराम, महेंद्र तेतरवाल, हनुमान यादव, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव सहित कई लोग मौजूद रहें।

खाटू श्यामजी से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, गांव भूरीवास में शोक की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

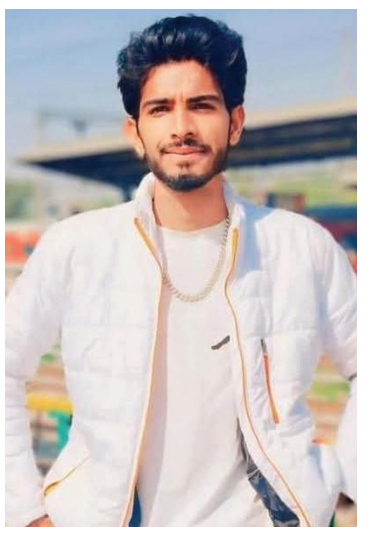

सिंघाना-बुहाना मार्ग पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में भूरीवास निवासी एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल बुहाना अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। सिंघाना थाना के एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए बुहाना अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने अमन सिंह पुत्र अमरपाल सिंह निवासी भूरीवास को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक अमन सिंह सहित चार युवक एक कार में सवार होकर खाटू श्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे, तभी सिंघाना-बुहाना मार्ग पर अचानक गाय आगे आने के कारण गाड़ी बिजली के पोल से टकराने से उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में अन्य युवकों को भी चोटें आई हैं, जिनका उपचार जारी है। पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंपा जाएगा। हादसे की सूचना मिलते ही भूरीवास गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

खेतड़ी के शिमला गांव की दो महिलाओं की मौत, दो घायल

नारनौल क्षेत्र में इनोवा गाड़ी सवार ने मारी सड़क किनारे खड़े लोगों को मारी टक्कर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

नारनौल क्षेत्र के अकबरपुर फ्लाईओवर के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में झुंझुनू जिले के एक परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर अज्ञात इनोवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव शिमला तहसील खेतड़ी निवासी नरेश कुमार ने बताया कि वह अपनी मां कमला, चाचा दुलीचंद, चाची भतेरी और चचेरे भाई नवनीत के साथ महेंद्रगढ़ जिले के नांगल कालिया गांव में रिश्तेदार ममता का हालचाल जानने जा रहे थे। नरेश अपनी बाइक पर मां कमला और नवनीत को लेकर चल रहा था, जबकि दुलीचंद अपनी मोटरसाइकिल पर पत्नी भतेरी के साथ सवार था। जब वे अकबरपुर फ्लाईओवर के पास टोल टैक्स के नजदीक पहुंचे तो दुलीचंद की मोटरसाइकिल पंचर हो गई। इसके बाद दोनों बाइक को सड़क किनारे खड़ा कर सभी लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान नारनौल की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक इनोवा कार के ड्राइवर ने पहले बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे खड़े पांचों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कमला, भतेरी, दुलीचंद और नवनीत गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि नरेश को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा नांगल चौधरी और बाद में नारनौल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत के कारण कुछ घायलों को जयपुर रेफर किया गया। नारनौल के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने कमला देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं जयपुर में उपचार के दौरान भतेरी ने भी दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार दुर्घटना करने वाली इनोवा गाड़ी थी। हादसे के बाद चालक कुछ देर रुका, लेकिन मौके पर भीड़ जुटने पर वाहन लेकर नांगल चौधरी की ओर फरार हो गया। पुलिस ने अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त कर लिए हैं। मामले में संबंधित वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, दुर्घटना करने और मौत का कारण बनने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

साढ़े चार माह बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा चोरी का डम्पर, हरियाणा से बरामद

तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से रामगढ़ पचवारा पुलिस को मिली सफलता, आरोपियों की तलाश जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.रामगढ़/पचवारा।

मनोज खंडेलवाल । चोरी हुए डम्पर की तलाश में जुटी रामगढ़ पचवारा पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए करीब साढ़े चार माह पहले चोरी हुए डम्पर को हरियाणा क्षेत्र से बरामद कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी के मामलों में प्रभावी अनुसंधान और तकनीकी निगरानी की भूमिका एक बार फिर सामने आई है।थानाधिकारी मदनलाल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने जिला पुलिस अधीक्षक दौसा पीयूष दीक्षित के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए मुकदमा संख्या 16/2025 में चोरी हुए डम्पर को बरामद किया। पुलिस के अनुसार परिवादी सांवलराम ने 23 जनवरी 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जनवरी की रात सोनड़ क्षेत्र से उसका डम्पर नंबर आरजे-29-जीबी-0246 अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। इस पर थाना रामगढ़ पचवारा में धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर डम्पर की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने चोरी हुए डम्पर को हरियाणा में पलवल-फरीदाबाद रोड स्थित सिलानी चौराहे के पास से बरामद कर लिया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल आरोपियों की तलाश के लिए कार्रवाई जारी है। कानून की पकड़ भले देर से पहुंचे, लेकिन जब पहुंचती है तो सबूत भी साथ लाती है, इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए रामगढ़ पचवारा पुलिस ने चोरी की गुत्थी सुलझाने की दिशा में अहम सफलता दर्ज की है।

श्री कृष्ण गौ उपचार शाला के वार्षिकोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, डॉ. अंजलि यादव ने गौसेवा को बताया सामाजिक दायित्व

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । सियारखोह स्थित श्री कृष्ण गौ उपचार शाला के वार्षिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में क्षेत्र के संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी बालकादेवाचार्य महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंजलि यादव ने कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। डॉ. यादव ने गौशालाओं के संचालन में सहयोग करने और सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर गौसेवा, सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति के संरक्षण पर विचार-विमर्श हुआ। संतजनों के आशीर्वचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की आधारशिला हैं, उनके संरक्षण के लिए समाज को संगठित होकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम की सफलता पर श्री कृष्ण गौ उपचार शाला परिवार और समस्त ग्रामवासियों को बधाई देते हुए गौसेवा अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

साइकिल के पहियों पर दौड़ा फिटनेस का संदेश, दौसा पुलिस ने जगाई सेहत और सड़क सुरक्षा की अलख

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । बदलती जीवनशैली और बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच दौसा पुलिस ने रविवार सुबह जिलेभर में ऐसा संदेश दिया, जिसने फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा को एक ही मंच पर जोड़ दिया। 'संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं और आमजन ने साइकिल के पहियों के साथ स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया। जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के नेतृत्व तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मीणा एवं रिजर्व पुलिस लाइन के अधिकारियों की मौजूदगी में प्रातः साढ़े छह बजे से साढ़े सात बजे तक चले इस अभियान की शुरुआत जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर परिसर से हुई। यहां पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसके बाद निकली साइकिल रैली ने शहर और ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य जागरूकता की नई ऊर्जा का संचार किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने लोगों को नियमित व्यायाम, साइकिल उपयोग, प्रदूषण नियंत्रण और यातायात नियमों की पालना के प्रति जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य केवल साइकिल चलाना नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना था कि बेहतर स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित सड़कें किसी भी विकसित समाज की मजबूत नींव होती हैं। जिस दौर में भागदौड़ भरी जिंदगी लोगों को बीमारियों की ओर धकेल रही है, उस समय साइकिल जैसी सरल और सुलभ व्यवस्था स्वस्थ जीवन का प्रभावी माध्यम बन सकती है।

दौसा पुलिस द्वारा चलाए गए इस जन-जागरूकता अभियान में जिलेभर के थाना क्षेत्रों में आमजन की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साह के साथ हिस्सा लेकर यह साबित किया कि स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। अभियान ने यह संदेश भी दिया कि सड़क पर अनुशासन और सुरक्षा के प्रति जागरूक नागरिक ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगा सकते हैं।

जो भक्त भगवान को समर्पित हो जाता है भगवान उससे विवाह कर लेते है- पंडित तिवाड़ी

भगवान कृष्ण रूक्मणी विवाह की झांकी रही आकर्षण का केन्द्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जब भक्त संसार के चक्र व्यूह से निकलकर परमात्मा को समर्पित हो जाता है तथा अपना सब कुछ भगवान को मानने लगता है तब भगवान उसकी वृतियों से तदाकार करके उससे विवाह कर लेते है। भगवान का एक नाम विवाह भी है, जो उनको समर्पित हो जाता है भगवान उससे विवाह कर लेते है। उक्त वक्तव्य कथा व्यास वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी ने सेहिकलां के नेत दादा मंदिर परिसर में पवित्र पुरुषोत्तम मास के अवसर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान रुक्मणी विवाह के अवसर पर कहे। उन्होंने बताया की रुक्मणी ने मन वचन कर्म से एकनिष्ठ होकर श्रीकृष्ण की चाहत की तो भगवान कृष्ण ने उन्हें अपना बना लिया। तिवाड़ी ने कहा की भगवान बहुत दयालु है। कथा मे महारास की वैज्ञानिक व्याख्या की गई व कंस वध उद्धव प्रसंग भी विस्तार से सुनाया गया। इस अवसर पर सजी श्री कृष्ण - रुक्मणी विवाह की भव्य सजीव झांकी बड़ी मनमोहक रही। कथा में भक्ति मय भजनों से आनन्द की बौछार हुई। कथा से पूर्व मुख्य यजमान अरुण शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भागवत व व्यास पूजन किया। इस दौरान डॉ जगदीश प्रसाद शर्मा, हजारीलाल शर्मा, बुद्धिधर कुलहरी, भागीरथ जांगीड, राकेश पुनिया प्रवीण शर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, मातुराम महरिया, संजय भगत, नत्थुराम शर्मा, जितेंद्र जांगीड., ब्रह्मानंद पुनिया, संतोष सिंह शेखावत, रतनलाल शर्मा, पवन शर्मा योगेश जांगीड,निशांत जांगीड,अरविन्द शर्मा संजय भगत, सीताराम शर्मा, अशोक शर्मा, संतोष सिंह शेखावत,ओमप्रकाश महरिया, विक्रम शर्मा, करनसिंह शेखावत, सत्यनारायण कुमावत, प्रमोद भगत, होशियारी लाल शर्मा, गजाननंद शर्मा,अनिल शर्मा, धरमसिंह शेखावत,रवि कुमावत, कैलाश वर्मा, राजेंद्र नायक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे मौजूद रहें।

मारपीट से घबराई बेटी टैंक में कूदी,मां को मारकर फेंका

ढाई घंटे पहले कॉल कर कहा था हमें मार देंगे; पति सहित ससुरालवालों पर हत्या का केस

भीम प्रज्ञा न्यूज

बाड़मेर । बालोतरा में शनिवार को मां-बेटी के शव पानी के टैंक (डिग्गी) में मिलने के 24 घंटे बाद पुलिस ने महिला के ससुराल वालों पर हत्या का मामला दर्ज किया है। पहले ससुराल पक्ष का दावा था कि मोबाइल नहीं देने से नाराज होकर बेटी डिग्गी में कूद गई थी। उसे बचाने के लिए मां ने भी छलांग लगा दी थी। दोनों की डूबने से मौत हो गई। अब रविवार को महिला के पीहर वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मामला गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के सीलू गांव का है। महिला के पिता ठाकराराम का कहना है- मेरी बेटी अनिता (38) और नातिन सुमन (18) को पहले बुरी तरह पीटा गया। इससे घबराकर सुमन ने डिग्गी में छलांग लगा दी। इसी दौरान अनिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दोनों के शव शनिवार देर शाम डिग्गी में मिले थे।

कुतीना में आंधी से उखड़ा शादी का टेंट, 11 केवी का पोल गिरा, बड़ा हादसा टला

भीम प्रज्ञा न्यूज.कुतीना।

रमेशचंद । रविवार दोपहर अचानक चली तेज आंधी से कुतीना में एक विवाह समारोह के दौरान बड़ा हादसा टल गया। तेज हवा के कारण शादी के लिए लगाए गए टेंट उखड़ गए और पास स्थित 11 केवी बिजली लाइन का एक पोल भी गिर गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना राकेश लोहार की पुत्री डिंपल के विवाह समारोह के दौरान हुई। उनके घर के सामने लगाए गए टेंट को तेज हवा ने उखाड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंट के पास से गुजर रही 33 केवी बिजली लाइन के इंसुलेटर में भी फॉल्ट आ गया। यह लाइन सोलर प्लांट से श्रियानी जीएस तक जाती है। हवा के कारण लगभग 10 फीट की दूरी पर स्थित 11 केवी लाइन का एक पोल भी गिर गया। घटना के समय समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही लाइनमैन पवन मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बिजली विभाग की टीम ने तुरंत लाइन की जांच कर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने बिजली लाइनों के पास अस्थायी टेंट लगाते समय विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दिया। तेज हवा से टेंट को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

'पेड़ हैं तो जीवन है ': लुमास स्टेडियम में युवाओं ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । विश्व पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंडावा के निकटवर्ती गांव लुमास स्थित खेलता-बढ़ता स्टेडियम में रविवार को पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को लेकर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फुटबॉल खिलाड़ियों, नव युवक मंडल के सदस्यों, बच्चों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण बचाने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी मधु यादव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक नरेंद्र भाटी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पर्यावरण एवं जनजागृति संस्थान लुमास के अध्यक्ष संजय शर्मा, समाजसेवी सावरमल गोदारा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष अरविंद शेखावत, संस्था प्रधान कैलाश चंद्र जांगिड़, राजेश सैनी तथा कोच दीपक कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा द्वारा अतिथियों से छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण करवाकर किया गया। इस दौरान अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उपस्थित लोगों से अपने जीवन में

अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। सभी अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रकृति संरक्षण, हरियाली और स्वच्छ वातावरण जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणाम जिला युवा अधिकारी मधु यादव के सानिध्य में घोषित किए गए, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा खिलाड़ियों को खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स किट भी वितरित की गई। खिलाड़ियों ने इस पहल के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

अपने संबोधन में जिला युवा अधिकारी मधु यादव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण लगातार खतरे में पड़ता जा रहा है और इसके लिए कहीं न कहीं मानव स्वयं जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यदि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण देना है तो युवाओं को आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने 'पेड़ हैं तो जीवन है' का संदेश देते हुए प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। मुख्य अतिथि नरेंद्र भाटी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। अंत में पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, बच्चों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रधान कैलाश चंद्र जांगिड़ ने किया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया।

हेलमेट है जीवन रक्षा कवच: सड़क सुरक्षा सप्ताह में मंडावा पुलिस का विशेष अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से मंडावा पुलिस थाना द्वारा 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' के अंतर्गत विशेष हेलमेट वितरण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए तथा उन्हें हेलमेट पहनकर सुरक्षित वाहन चलाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मंडावा थाना अधिकारी सीआई रामनारायण चोयल एवं एसआई संजीव मील सहित पुलिसकर्मी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट के महत्व के बारे में समझाया गया। थाना अधिकारी रामनारायण चोयल ने कहा कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण कवच है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अधिकांश गंभीर चोटों से हेलमेट बचाव करता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें तथा यातायात नियमों की पालना करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के पीछे उसका परिवार, माता-पिता, भाई-बहन, पत्नी और बच्चों की जिम्मेदारी होती है।

ऐसे में घर से बाहर बाइक लेकर निकलते समय हेलमेट का उपयोग अवश्य करना चाहिए। एसआई संजीव मील ने भी वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पुलिस द्वारा समय-समय पर ऐसे जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित किया जाता रहेगा। अभियान के दौरान आमजन ने भी मंडावा पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में हमेशा हेलमेट पहनने का संकल्प लिया।

10वीं और 12वीं की स्टेट टॉपर छात्राओं का नारनौल में हुआ सम्मान

शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यमश-डॉ. शिवताज सिंह

आवाज फाउंडेशन हरियाणा ने किया प्रतिभा सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा की स्टेट टॉपर छात्राओं का रविवार को आवाज फाउंडेशन हरियाणा द्वारा नारनौल में सम्मान किया गया। सिटी पैलेस में आयोजित समारोह में समाजसेवी रमेश ठेकेदार धामलाका ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड तहसीलदार लालाराम नाहर ने की। रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. शिवताज सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार सांभरिया (गुरुग्राम), समाजसेवी अनिल फांडन, डॉ. मामराज सुंदरोज तथा सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदीचंद गोठवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे और कहा कि इन छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। मुख्य वक्ता रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. शिवताज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रतिभाओं को सम्मानित करने से युवाओं में प्रतिस्पर्धात्मक भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा पैदा होती है। उन्होंने दोनों छात्राओं से शिक्षा को जीवन का सर्वोच्च साधन मानते हुए निरंतर आगे बढ़ने का

आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रमेश ठेकेदार ने दोनों छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से कोई भी विद्यार्थी ऊंचाइयों को छू सकता है। कार्यक्रम में रेवाड़ी के गांव जांट निवासी कक्षा 12वीं की स्टेट टॉपर दीपिका मेघवाल तथा भिवानी के गांव खेड़ा निवासी कक्षा 10वीं की स्टेट टॉपर दीपिका को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि 12वीं कक्षा की स्टेट टॉपर दीपिका मेघवाल के पिता सरकारी टीचर है जबकि दसवीं कक्षा की स्टेट टॉपर दीपिका के पिता स्कूल बस ड्राइवर है। दीपिका उसी स्कूल की छात्रा रही है। जिसमें पिता स्कूल ड्राइवर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। इस अवसर पर सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति की ओर से दोनों छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर, शाल ओढ़ाकर, संविधान की प्रति व 6100-6100 रुपये की नकद सम्मान राशि प्रदान की गई। वहीं दादी बख्तावरी देवी एवं अभिषेक फ्यूल की ओर से पूर्व प्राचार्य अमर सिंह निम्होरिया ने दोनों प्रतिभाशाली छात्राओं को 5100-5100 रुपये की सम्मान राशि देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सांभरिया, डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति की प्रधान अमन देवी जोरासिया, एसएलजी अमन फाउंडेशन के चेयरमैन सुंदरलाल जोरासिया, आवाज फाउंडेशन हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष रामचंद्र रंगा लिसानिया, मैनेजर जयपाल , प्यारेलाल चवन, प्रदेश महिला अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व सरपंच रोशनी देवी, प्रदेश महासचिव सूबेदार मेजर सत्यनारायण सांभरिया निमोठ, रिटायर्ड इंस्पेक्टर रविदत्त सीहा, पूर्व पंच मनोहरलाल कवाली, रामेश्वर ठेकेदार जेनाबाद, अजीत सिंह लिसान, रविप्रकाश, विकास बचीनी, रिटायर्ड प्रिंसिपल अमर सिंह निम्होरिया, रिटायर्ड मैनेजर रामानंद पनवाल, तोताराम कोहली, राजेश चांवरिया, महेंद्र खन्ना, जगदीश प्रधान, राजपाल सिंह दहिया तथा प्रोफेसर कपिल पनवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी एवं एडवोकेट राजकुमार जलवा ने किया।

महाराजा अरुट जी महाराज की जयंती श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई

महापुरुषों के आदर्शों पर चलकर ही विकसित भारत का सपना होगा साकार : सुभाष बराला

पंजाबी समाज का इतिहास वीरता, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की अमर गाथा : कृष्ण मिड्ढा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । अरोड़वंश के संस्थापक एवं महान समाज सुधारक महाराजा अरुट जी महाराज की जयंती टोहाना के स्थानीय शगुन पैलेस में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि तथा हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अरुट जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया।समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि महाराजा अरुट जी केवल एक वंश के संस्थापक नहीं थे, बल्कि मानवता, सामाजिक न्याय और संगठन के प्रतीक थे। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से एक ऐसे समाज की स्थापना की, जो आज भी सत्य, धर्म और पुरुषार्थ के मूल्यों पर अडिग है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के आदर्शों को अपनाकर ही एक सशक्त और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है। सांसद सुभाष बराला ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रेरणा उन लाखों परिवारों के संघर्ष से मिलती है, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी झेलने के बावजूद अपने साहस, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर नई पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं।राज्यसभा सांसद ने कहा कि महाराजा अरुट जी का जीवन त्याग, सेवा, सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने हिंदू-सिख एकता और सर्वधर्म समभाव की जो भावना समाज में

स्थापित की, वह आज भी प्रेरणास्रोत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा 'संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार-प्रसार योजना' के तहत विभिन्न महापुरुषों की जयंती और स्मृति दिवस सरकारी स्तर पर मनाए जा रहे हैं, ताकि उनकी शिक्षाओं और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके।विधानसभा डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि पंजाबी समाज का इतिहास वीरता, राष्ट्रभक्ति, त्याग और बलिदान की अमर गाथा है। जब-जब देश, धर्म और मानवता पर संकट आया, तब-तब पंजाबी समाज ने अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के अतुलनीय बलिदानों का स्मरण करते हुए कहा कि ऐसे महान त्यागों ने भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया है।उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा महापुरुषों की जयंती और स्मृति दिवस मनाने की जो परंपरा शुरू की गई थी, उसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विभाजन की पीड़ा सहकर भारत आए परिवारों के संघर्ष और योगदान को याद करते हुए कहा कि आज समाज को जो सम्मान और पहचान प्राप्त है, वह पूर्वजों की तपस्या, त्याग और अथक मेहनत का परिणाम है।

इस अवसर पर टोहाना रत्न व समाज सेवी डॉ शिव सचदेवा, संस्थापक रिंकू ग्रोवर, रविन्दर मेहता, भाजपा नेत्री स्वीटी मेहता, अशोक तनेजा, मनदीप ग्रोवर, अनिता मेहता, लवली मौंगा, नन्दी डारा, विकास कामरा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

फर्जी पट्टे के सहारे जमीन हड़पने का आरोप, कोर्ट के आदेश पर दो सगे भाइयों पर मुकदमा दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर में जमीन विवाद का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने भू-अभिलेखों की पारदर्शिता और दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। न्यायालय के आदेश पर मण्डावर थाना पुलिस ने दो सगे भाइयों के खिलाफ कथित रूप से फर्जी पट्टा तैयार कर जमीन हड़पने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मण्डावर निवासी पुरुषोत्तम महाजन ने अपने भाई अशोक कुमार और हितेश कुमार के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट महवा की अदालत में इस्तगासा पेश कर आरोप लगाया कि वर्षों पूर्व एक भूखंड का विधिवत विक्रय इकरारनामा कर कब्जा प्राप्त किया गया था, लेकिन बाद में दस्तावेजों के सहारे उसके हिस्से की जमीन पर कब्जा जमाने की साजिश रची गई। परिवादी का आरोप है कि मूल विक्रय इकरारनामा अपने पास रखने के बाद आरोपितों ने कथित रूप से ग्राम पंचायत स्तर पर मिलीभगत कर पट्टा संख्या-50 तैयार कराया और रिकॉर्ड में कूट रचना कर दस्तावेजों का स्वरूप ही बदल दिया। परिवादी ने अदालत में दिए परिवाद में कहा कि वर्ष 2019 में प्राप्त पट्टा पत्रावली की प्रतिलिपि में कई महत्वपूर्ण कॉलम रिक्त थे, जबकि बाद में सामने आए दस्तावेजों में वही विवरण भरे हुए मिले। इससे पूरे मामले में रिकॉर्ड से छेड़छाड़ और दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े हो गए। आरोप यह भी है कि संबंधित पट्टा पत्रावली रिकॉर्ड से गायब करवा दी गई तथा मूल विक्रय इकरारनामा भी आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया।बताया गया कि परिवादी ने रिकॉर्ड की नकल प्राप्त करने के लिए कई बार संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाए, लेकिन दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। मामले को लेकर उसने 7 मई 2026 को मण्डावर थाने में शिकायत देने का प्रयास किया, जबकि 11 मई को पुलिस अधीक्षक दौसा को भी रजिस्टर्ड डाक से परिवाद भेजा गया। कार्रवाई नहीं होने पर अंततः न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

अदालत के आदेश के बाद अब पुलिस ने दोनों आरोपित भाइयों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच का केंद्र बिंदु कथित फर्जी पट्टे की वैधता, रिकॉर्ड में हुए संभावित बदलाव तथा गायब दस्तावेजों की वास्तविक स्थिति रहेगा। ग्रामीण अंचलों में अक्सर कहा जाता है कि 'जमीन का झगड़ा पीढ़ियों तक पीछा नहीं छोड़ता ', लेकिन जब दस्तावेजों पर ही सवाल खड़े होने लगें तो मामला और भी गंभीर हो जाता है। अब सबकी निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं कि आखिर रिकॉर्ड की परतों में छिपा सच कब और कैसे सामने आता है। जैसा कि कहा गया है– 'सच को दबाया जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता; वक्त की अदालत में हर दस्तावेज अपनी गवाही खुद देता है। '

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति शिविर का आयोजन, 36 पीड़ितों ने उठाया लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा गांव जमालपुर शेखा में भागीरथ ओड धर्मशाला के तत्वावधान में नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन नशा मुक्ति टीम प्रभारी उप निरीक्षक सुंदर के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के सहयोग से किया गया ?।उप निरीक्षक सुंदर ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को

प्रभावित करता है, इसलिए इसके प्रति जागरूकता एवं समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है।शिविर में स्वास्थ्य विभाग से पहुंचे डॉ. दीप एवं उनकी टीम ने नशा पीड़ितों की स्वास्थ्य जांच की तथा आवश्यक खून जांच करवाने के उपरांत गहन काउंसलिंग की। इसके साथ ही चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार एलोपैथिक दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। वहीं आयुष विभाग से पहुंची डॉ. स्वाति एवं उनकी टीम ने भी नशा पीड़ितों को आयुर्वेदिक उपचार संबंधी जानकारी देते हुए आवश्यक आयुर्वेदिक दवाइयां प्रदान कीं। शिविर में गांव जमालपुर शेखा के 26 नव चिन्हित नशा पीड़ितों सहित आसपास के गांवों के 10 उपचाराधीन व्यक्तियों ने भाग लिया। इस प्रकार कुल 36 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त कर उपचार संबंधी सुविधाओं का लाभ उठाया। नशा मुक्ति टीम ने उपस्थित ग्रामीणों से नशे के दुष्प्रभावों पर खुलकर चर्चा करते हुए उन्हें नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया। साथ ही किसी भी नशा पीड़ित व्यक्ति को उपचार एवं परामर्श के लिए आगे लाने की अपील की गई ताकि उसे समय पर उचित सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

टोहाना सीआईए ने कॉमर्शियल मात्रा में 5900 नशीले ट्रामाडोल कैप्सूल सहित एक आरोपी को किया काबू

नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, आरोपी को माननीय न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सीआईए टोहाना पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए रोहतक के महम निवासी साहिल पुत्र विजय कुमार को 5900 नशीले ट्रामाडोल कैप्सूल सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीआईए टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि महम निवासी साहिल नया बस स्टैंड टोहाना के निकट लोहा नहर पुल के पास नशीले कैप्सूल लेकर खड़ा है। सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मौके पर घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर आरोपी वहां से निकलने का प्रयास करने लगा, लेकिन उसे काबू कर लिया गया। नियमानुसार तलाशी प्रक्रिया के दौरान आरोपी के कब्जे में लिए गए प्लास्टिक कट्टे की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कट्टे से 590 पत्तों में कुल 5900 नशीले ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद हुए। बरामद कैप्सूल एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रतिबंधित श्रेणी में आते

हैं। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 164, दिनांक 06.06.2026, धारा 22सी, 61 एवं 85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगामी जांच जारी है।

दीवारों में दरारें, झड़ने लगा मसाला: लाखों के नाला निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

फॉर्म हटते ही खुलने लगी परतें, स्थानीय लोगों ने तकनीकी जांच और सामग्री परीक्षण की उठाई मांग।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर के थोबड़ी चौराहे पर नगर पालिका की ओर से लाखों रुपए की लागत से कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवालों का सैलाब उठ खड़ा हुआ है। निर्माण पूरा होने से पहले ही नाले की दीवारों में दिखाई देने लगी दरारें और कई स्थानों पर सीमेंट-बजरी का मिश्रण झड़ने की शिकायतों ने पूरे प्रोजेक्ट को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग और तकनीकी मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार अनाज मंडी से थोबड़ी चौराहे तक करीब 300 मीटर लंबे नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि निर्माण में निर्धारित अनुपात के अनुसार सीमेंट का उपयोग नहीं किया जा रहा, जबकि बजरी और अन्य सामग्री की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। लोगों का कहना है कि नाले की दीवारों में लगाए जा रहे

सरियों के बीच भी आवश्यक मानकों से अधिक दूरी छोड़ी जा रही है, जिससे निर्माण की मजबूती प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।स्थानीय लोगों के अनुसार जैसे ही नाले के फॉर्म हटाए गए, कई स्थानों पर दीवारों में छोटे-बड़े क्रैक उभर आए। इतना ही नहीं, कुछ हिस्सों में सीमेंट, रोड़ी और बजरी का मिश्रण भी झड़कर नीचे गिरने लगा। आरोप है कि इन खामियों को छिपाने के लिए बाद में सीमेंट-बजरी की परत चढ़ाकर लीपापोती की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण की यही स्थिति रही तो आगामी मानसून के दौरान पानी के दबाव में नाला समय से पहले क्षतिग्रस्त हो सकता है। ग्रामीणों और व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण कार्य की प्रभावी निगरानी नहीं होने से ठेकेदार मनमर्जी से काम कर रहा है। करोड़ों और लाखों की योजनाओं का उद्देश्य जनता को स्थायी सुविधा देना होता है, लेकिन यदि निर्माण की नींव ही कमजोर हो तो विकास की तस्वीर भी सवालों के घेरे में आ जाती है। क्षेत्र में चर्चा है कि 'ऊपर से चमक-दमक और भीतर से खोखलापन, ऐसे निर्माण ज्यादा दिन तक टिक नहीं पाते।' यही कारण है कि अब लोग निर्माण सामग्री के नमूनों की प्रयोगशाला जांच और पूरे कार्य की तकनीकी पड़ताल की मांग कर रहे हैं।

रसीदपुर क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज, उद्घाटन मुकाबले में पालौदा की दमदार जीत

बालाजी क्रिकेट क्लब के आयोजन में उमड़ा ग्रामीण खेल उत्साह, विजेता टीम को मिलेगा 11 हजार रुपये का पुरस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर-महवा रोड स्थित पुलिस चौकी के निकट रसीदपुर बालाजी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में शुभारंभ हुआ। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर किया। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों का ग्रामीणों ने स्वागत कर सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में मेजबान रसीदपुर और पालौदा की टीम आमने-सामने हुईं, जिसमें पालौदा की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रसीदपुर को पराजित कर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। मैच के दौरान खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की मौजूदगी ने ग्रामीण खेल वातावरण को

जीवंत बना दिया।आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता की विजेता टीम को 11 हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 5 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वहीं प्रत्येक मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच सम्मान से नवाजा जाएगा। प्रतियोगिता में प्रतिदिन तीन मुकाबले खेले जाने प्रस्तावित हैं। ग्रामीण अंचल में शुरू हुई इस खेल प्रतियोगिता को लेकर युवाओं और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है, जिससे क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वह हर प्रारूप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक खिताब ट्रॉफी जीतना चाहेंगे। साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंद वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारूपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ‘वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता है।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौर के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

–बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर–बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर–बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ–साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर–बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी

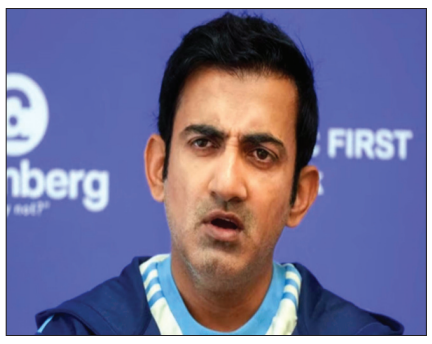

दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, ‘ श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।‘ ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, ‘क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।’

उन्होंने कहा, ‘जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।’ सुथार ने कहा, ‘मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।’

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, ‘भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।’

मानव ने कहा, ‘लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।’ सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं।’

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्ढक्क में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, ‘भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।’

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए, बदले राजनीतिक समीकरणों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की राजनीति में लगातार संभावित बदलावों पर भी नजर रखी जा रही है। संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में राज्यसभा में संख्या बल बढ़ाना केंद्र सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विपक्षी दल इन दावों को राजनीतिक अटकलें बताते हुए कहते हैं कि आगामी चुनाव और क्षेत्रीय दलों की रणनीतियां ही भविष्य की तस्वीर स्पष्ट करेंगी। फिलहाल राज्यसभा के बदलते समीकरण राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली (एजेंसी)। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और ऑडियो संदेशों में कुछ लोगों ने घटना की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया है। पोस्ट में इसे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के लिए चेतावनी बताया गया है और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के अपराधी नेटवर्क और उनके बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय हैं। फिलहाल वायरल सामग्री की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के अयप्पा मंदिर में सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन समारोह शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से इस नवनिर्मित भवन को श्रद्धालुओं और मंदिर समुदाय को समर्पित करेंगे। इस नई सुविधा का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना तथा उसकी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाना है। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, सबरीसम भवन वर्षभर आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों, धर्मार्थ पहलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के आरके पुरम में स्थित अयप्पा मंदिर को पूरे उत्तर भारत में भगवान अयप्पा के सबसे प्रमुख और पूजनीय मंदिरों में से एक माना जाता है। वर्ष 1980 में स्थापित किया गया यह भव्य मंदिर अपनी पारंपरिक केरल शैली की उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। समय के साथ यह राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे मलयाली समुदाय और भगवान अयप्पा के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। इस मंदिर में नियमित रूप से पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, विशेष पूजा, सांस्कृतिक उत्सव तथा जनसेवा से जुड़े अनेक कार्य आयोजित किए जाते हैं। इसकी भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह शाह-नड्डा से मिले, कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक ने न केवल उनके कांग्रेस में लौटने की तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में भाजपा की रणनीति और संगठन विस्तार के लिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन ने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, भाजपा के जनाधार को मजबूत करने और पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

रेत माफिया की रफ्तार ने छीनी जवान की जिंदगी: ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से RAC कॉन्स्टेबल की मौत, बहन-भांजी गंभीर

तीन बेटियों के सिर से उठा पिता का साया; ओवरलोड वाहनों पर पुलिस की चुप्पी फिर सवालों के घेरे में।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना इलाके में केसरी-महवा मार्ग पर रविवार शाम रफ्तार और लापरवाही का ऐसा कहर बरपा कि एक परिवार की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। केसरी के बास गांव के पास रेत से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सामने से आ रही बुलेट मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी (आरएसी) की द्वितीय बटालियन कोटा में तैनात कांस्टेबल कल्ला गुर्जर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी बहन रविता गुर्जर और एक वर्षीय भांजी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों घायलों को महवा जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में रेफर किया गया है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक कल्ला गुर्जर (30) पुत्र हरभान गुर्जर निवासी लाडनपुर आरएसी की सेकेंड बटालियन कोटा में कांस्टेबल पद पर कार्यरत था। वह दो दिन पूर्व ही छुट्टी लेकर अपने गांव आया था। रविवार शाम वह अपनी शादीशुदा बहन रविता गुर्जर और उसकी एक वर्षीय पुत्री को महवा स्थित मकान से लेकर अपने पैतृक गांव लाडनपुर जा रहा था। इसी दौरान महवा से करीब 12 किलोमीटर दूर केसरी के बास के समीप सामने से आ रही रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बुलेट को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी बहन रवीता और एक वर्षीय भांजी उछलकर सड़क किनारे दूर जा गिरीं, जबकि कल्ला गुर्जर ट्रैक्टर के नीचे आ गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत में उतर गया। पुलिस ने शव को महवा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सुपुर्द किया। इसके बाद पार्थिव देह को लाडनपुर गांव लाया गया, जहां पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। आरएसी की सेकेंड बटालियन के जवान भी अंतिम संस्कार में पहुंचे और विभागीय सम्मान के साथ दिवंगत जवान को अंतिम सलामी दी गई। गांव में ऐसा माहौल रहा कि सभी घरों में चूल्हे तक नहीं जले। अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों की बड़ी संख्या उमड़ पड़ी। कल्ला गुर्जर अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। वर्ष 2015 में आरएसी में भर्ती हुआ कल्ला गुर्जर अपने पीछे तीन मासूम बेटियों को छोड़ गया हैं। उसका छोटा भाई अभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। जवान बेटे की असमय मौत से मृतक की विधवा पत्नि वीकेश व मासूम तीन पुत्रियो सहित पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।इधर हादसे के बाद एक बार फिर महवा-मंडावर मार्ग पर दौड़ रहे ओवरलोड और बेलगाम वाहनों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बजरी, मिट्टी, पत्थर और अन्य निर्माण सामग्री से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली दिनभर सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ते रहते हैं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई के अभाव में इनके हौसले लगातार बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि सड़क हादसों के बाद कुछ दिनों तक अभियान चलाकर कार्रवाई की औपचारिकता पूरी कर दी जाती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकलता। यही वजह है कि क्षेत्र में हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। मृतक के परिजनों ने आरोपी चालक और ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ लापरवाही एवं तेज रफ्तार से वाहन चलाकर जानलेवा टक्कर मारने का मामला दर्ज कराने के लिए मंडावर थाना पुलिस को रिपोर्ट दी है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है। वहीं इस हादसे ने एक बार फिर अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

मृतक कल्ला गुर्जर

मृतक की दुर्घटनाग्रस्त बुलेट बाईक

मौके पर मौजूद रेत से भरा ट्रेक्टर।

अब हरिद्वार में बिरयानी नाम पर ऐतराज, संतों ने वेज पुलाव कहने को कहा

-अखाड़ा के सदस्य बोले-इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार,(ईएमएस)। हरिद्वार के अखंड परशुराम अखाड़ा ने भोजनालयों से अपने साइनबोर्ड और मेनू से बिरयानी शब्द हटाने का आग्रह किया है। उनका प्रस्ताव है कि पवित्र शहर की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए वेज बिरयानी का नाम बदलकर वेज पुलाव कर दिया जाए। संतों ने हरिद्वार भर में कई खाद्य विक्रेताओं का दौरा किया और दावा किया कि चूंकि बिरयानी पारंपरिक रूप से मांसाहारी भोजन से जुड़ी है, इसलिए इस पवित्र धार्मिक स्थल पर इसका इस्तेमाल अनुचित है और इससे स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखंड परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से विक्रेताओं के व्यवसाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। अखाड़ा के एक सदस्य ने कहा कि हरिद्वार एक पवित्र नगर है। हमने दुकानदारों से आग्रह किया है कि मांस से बने व्यंजनों के पर्याय माने जाने वाले इस पकवान को यहां 'बिरयानी' के नाम से न बेचा जाए। हमने उनसे इसे 'वेज पुलाव' के नाम से बेचने को कहा है। सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि वे अपने मेनू और साइनबोर्ड पर बिरयानी शब्द के स्थान पर वेज पुलाव लिखें। यदि कोई इसके बाद भी बिरयानी शब्द का प्रयोग करता रहेगा, तो हम उसके खिलाफ औपचारिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हमारा उद्देश्य शहर की पवित्रता और धार्मिक वातावरण को बनाए रखना है। हम सभी विक्रेताओं से अनुरोध करते हैं कि वे इस अनुरोध में सहयोग करें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

-सीपीआई-एम ने कहा- बीजेपी से 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

कर्नाटक में रामलिंगा रेड्डी ने लिया इस्तीफा वापस, विपक्ष की रणनीति को झटका

-सुरजेवाला बोले- रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर्नाटक राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने घोषणा की है कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य बना है और पुष्टि की कि अनुभवी राजनेता संगठन के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे और अपना मंत्री पद बरकरार रखेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समाधान ने विपक्ष की रणनीतियों को झकझोर दिया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि आंतरिक परिवर्तन के सुचारू प्रबंधन को लेकर बीजेपी अभी भी स्तब्ध है। केंद्रीय नेतृत्व और रेड्डी के बीच संगठनात्मक शिकायतों के समाधान के लिए गहन चर्चा के बाद इस्तीफे को वापस लेने का फैसला लिया। मतभेद को एक संक्षिप्त गलतफहमी बताते हुए, सुरजेवाला ने राज्य इकाई में रामलिंगा रेड्डी के गहरे संस्थागत महत्व को दोहराया। गतिरोध को शीघ्रता से हल करके, पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल की स्थिरता को बनाए रखने और एक अहम विधायी मोड़ पर एकजुट होकर सामने आने में सफलता प्राप्त की है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि समाधान ने गुटबाजी की संभावित कमजोरियों को समाप्त कर दिया है, जिससे उच्च कमान को अपना पूरा ध्यान अपने मुख्य विधायी और शासन संबंधी एजेंडों पर केंद्रित करने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व संकट को सुलझाने के साथ-साथ, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीतिक तैयारियों को सफलतापूर्वक सुव्यवस्थित कर लिया है। वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने अपने सहयोगियों के साथ राज्यसभा और राज्य विधान परिषद दोनों की अहम सीटों के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया है। यह समन्वित नामांकन दाखिल करना पार्टी के राज्य तंत्र द्वारा अपनी विधायी शक्ति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उच्चस्तरीय समन्वित प्रयास को दर्शाता है। यह प्रक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में किए गए हाई-प्रोफाइल नामांकन दाखिल करने के बाद हुई है, जो राज्य इकाई के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्र के मजबूत समर्थन का संकेत है।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

नाम बदलने की राजनीति: सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

संक्षिप्त समाचार

सहारा रेगिस्तान में ट्रक फंसा, प्यास से 49 लोगों की मौत

हारौबा, एजेंसी। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में प्यास से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे, वह रास्ते में खराब हो गया था। यात्रियों ने कई दिनों तक इसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। यह ट्रक माली के हारौबा शहर से रवाना हुआ था, जो नाइजर सीमा से 300 किलोमीटर से अधिक दूर है। वे एक मुस्लिम धार्मिक उत्सव में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। यात्रा के दौरान उनका ट्रक खराब हो गया। वे रेगिस्तान के ऐसी जगह फंस गए थे जहां बेहद ज्यादा तापमान होता है। वहां पानी और बाकी जरूरी सामान मिलना बहुत मुश्किल होता है। ऐसी जगह फंस जाने के कारण उनके पास मौजूद पानी खत्म हो गया। इस हादसे में केवल दो लोग बच पाए। उन्होंने किसी तरह रेगिस्तान पार कर नजदीकी शहर असामाका तक पहुंचने में सफलता हासिल की और वहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो ट्रक के नीचे और उसके आसपास दर्जनों शव पड़े मिले। बचाव टीम ने मृतकों के शवों को सामूहिक कब्र में दफना दिया। घटनास्थल से लौटते समय बचाव दल को एक और खराब ट्रक मिला। इस ट्रक में 60 से अधिक लोग सवार थे, जो बैटरी खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से रेगिस्तान में फंसे हुए थे। बचाव टीम ने थके हुए और परेशान यात्रियों को पानी दिया। साथ ही उन्होंने ट्रक की मरम्मत में मदद की, जिसके बाद वे वापस लौट पाए।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक झुका, अगला हिस्सा जमीन पर गिरा; कई कर्मचारी घायल

बर्लिन, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका : आव्रजन नीति पर अदालत की रोक

बोस्टन , एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन को बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने उस विवादित नीति को रद्द कर दिया है, जिसके तहत 39 देशों के प्रवासियों के शरण, वर्क परमिट, ग्रीन कार्ड और नागरिकता से जुड़े मामलों पर गंभीर असर पड़ रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह नीति हजारों प्रवासियों को कानूनी अनिश्चितता में धकेल रही थी और इसे लागू करने वाली एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। अदालत ने नीति को बताया मनमाना और कानून के खिलाफ अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककॉनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने ऐसी शक्तियों का दावा किया, जो उसे कानून प्राप्त नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा कि एजेंसी ने बिना पर्याप्त और तर्कसंगत स्पष्टीकरण दिए फैसले लिए और उन लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने मौजूदा नियमों के आधार पर आवेदन किए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिए गए कई तर्क वास्तविकता से मेल नहीं खाते और इन नीतियों में प्रवासियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण झलकता है।

अफ्रीका में इबोला का बढ़ता खतरा

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 452 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 82 लोगों की मौत हो गई है। 4 जून को ही 71 नए मामले और 21 मौतें दर्ज की गईं, जिससे सामुदायिक संक्रमण की गंभीरता बढ़ गई है। वर्तमान में 258 मरीज इलाज या आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने कमजोर संपर्क-ट्रेसिंग, दवाओं और चिकित्सा संसाधनों की कमी तथा 2.15 करोड़ डॉलर की फंडिंग कमी जैसी चुनौतियां हैं। पड़ोसी युगांडा में भी तीन नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने जून से नवंबर तक के लिए 518 मिलियन डॉलर की महाद्वीपीय इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए हैं।

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव , एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव : बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान-हिजबुल्ला पर क्या कहा : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा। युद्ध की मार से तबाह हुए कई गांव दक्षिणी लेबनान के काफी इलाके पहले ही युद्ध की वजह से भारी तबाही झेल चुके हैं। कई गांव खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इनमें मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव भी शामिल है, जहां से इस्राइली सैनिक एक दिन पहले ही पीछे हटे थे।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी, लोगों में बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके में पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित तैनाती पीओजेके के प्रधानमंत्री द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के उलट है। पहले उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण जन-प्रदर्शनों से निपटने के लिए बल या जबरदस्ती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है।

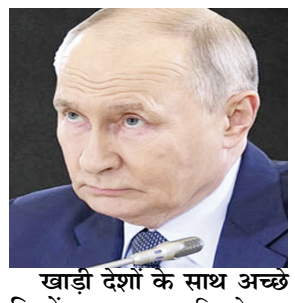

'ईरान ने पहले उकसावे की कार्रवाई नहीं की' : रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए।

पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्तों का हवाला : पुतिन ने कहा कि रूस के खाड़ी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं और वह सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान और अरब देशों दोनों के साथ रूस के मजबूत संबंध हैं, जिससे स्थिति को समझना और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी तरह की शांति वार्ता या मध्यस्थता प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि रूस से कोई भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, तो वह पीछे नहीं हटेगा।

ट्रंप के युद्धविराम निर्णय का समर्थन : रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संघर्ष रोकने की बात कही थी। पुतिन ने कहा कि यह निर्णय सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका ने मार गिराए ईरान के ड्रोन, रडार ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही, अमेरिका सेना ने ईरान के तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस क्षेत्र में जहाजों के लिए तत्काल खतरा महसूस होने पर कार्रवाई की। सेंटकॉम ने कहा, 'कुछ ही देर पहले सेना ने ईरान के चार वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया, जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट की ओर भेजा गया था। ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे।' सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने देश के दक्षिणी तट पर ईरान के निगरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी हमले किए। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों ने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, सेंटकॉम ने हताहतों, नुकसान के आकलन या ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए विमान और हथियारों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि क्या ड्रोन ने किसी कमर्शियल जहाज को सीधे निशाना बनाया था। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में मौजूद है और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल शिपिंग की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख समुद्री रास्तों पर नियमित रूप से गश्त करती है।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बल जरूरत पड़ने पर और कार्रवाई के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल सतर्क हैं और आत्मरक्षा में ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' फिलहाल, इस ताजा घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।

हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की उनके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 44 वर्षीय माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है, जो हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। घटना बुधवार सुबह की है, जब पुलिस को फोन पर संदिग्ध ने एक पापी व्यक्ति को मारने की बात कही। मौके पर पहुंचने पर 81 वर्षीय हैंडी घर के सामने बेहोश मिले, जिन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ग्लेडहिल उसी घर में रहता था। और उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जुमांजी और टॉप गनः मेवरिक जैसी फिल्मों से चर्चित हैंडी के निधन से मनोरंजन जगत स्तब्ध है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में उनकी गर्लफ्रेंड के 44 साल के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है। 911 कॉल से मिली जानकारी लॉस एंजिल्स पुलिस को बुधवार को एक विचलित करने वाला 911 कॉल मिला था। कॉल करने वाले शख्स ने डिस्पैचर से कहा था, 'मैं इंसान का बेटा हूं, मैंने अभी-अभी पाप के पुतले को मार दिया है।' इस सूचना के तुरंत बाद जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। यहां जेम्स हैंडी घर के सामने वाले हिस्से (फ्रंट यार्ड) में बेहोश पड़े मिले। उनके सीने पर चाकू के कई गहरे जख्म थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्लफ्रेंड का बेटा निकला हमलावर पुलिस जांच में सामने आया है कि हमला करने वाला शख्स 44 साल का माइकल ग्लेडहिल है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस से संपर्क किया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। जांच अधिकारियों के मुताबिक, माइकल जेम्स हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। हत्या के समय वह अपनी मां के घर पर ही रह रहा था। पुलिस ने उसे मर्डर के संदेह में मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और कपड़े मिले घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध शख्स घर के पास से आराम से पैदल गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही क्राइम सीन की तस्वीरों में घर के सामने कुछ कपड़े भी छूटे हुए मिले हैं।

पुलिस इन सभी सबूतों की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की मुख्य वजह या मकसद का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच अभी जारी है। जेम्स हैंडी का हॉलीवुड करियर जेम्स हैंडी ने हॉलीवुड में कई दशकों तक काम किया था और उनके नाम करीब 150 फिल्में और टीवी शोज दर्ज हैं। उन्होंने 'जुमानजी' और 'टॉप गनः मैवेरिक' जैसी सुपरहिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। इसके अलावा वे 'द एक्स-फाइल्स', 'एनवाईपीडी ब्लू' और 'सीनफील्ड' जैसे मशहूर टीवी शोज का भी हिस्सा रहे थे। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा समय बिताया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी।

अस्पताल ले जाते समय हुआ निधन : आपातकालीन सहायता दल के पहुंचने पर अभिनेता बेहोश पाए गए। पैरामेडिक्स उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस मामले में हैंडी की प्रेमिका के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था।

क्या है मामला : 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वेंस ने क्या की टिप्पणी : वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान किया जारी : वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए।

डेमोक्रेट्स ने वेंस की आलोचना की : विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए, चाहे वे कोशिशें वेंस जैसे मागा नेताओं की ओर से हों या ब्रिटेन में उनके समर्थकों की ओर से। इस बीच, हार्ड-राइट पार्टी रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज सहित कई नेताओं ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई को टू-टियर पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के करीब है और उन्होंने ऐलान किया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को 'किसी न किसी तरह' रोका जाएगा। शुक्रवार को विस्कॉन्सिन के चिप्पेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनने से रोकने का अपना मकसद काफी हद तक हासिल कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि हमें परमाणु हथियार के खतरे को खत्म करना था। हम ऐसा नहीं होने देने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है, आप देखेंगे, और किसी न किसी तरह, यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि या तो यह किसी समझौते से खत्म होगा या फिर किसी मुश्किल तरीके से। बता दें कि ट्रंप ने चल रही बातचीत या संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम जल्द ही और स्पष्ट हो जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस स्थिति को ऊर्जा बाजार और अमेरिकी किसानों पर पड़ने वाले खर्च से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा कि आपके लिए खाद की कीमतें काफी कम होने वाली हैं। खाद सस्ती होगी, ऊर्जा सस्ती होगी, और तेल व गैस की कीमतें भी काफी कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान की स्थिति का नतीजा आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हम ईरान के मामले से बहुत जल्द बाहर निकलेंगे, और यह बहुत मजबूत स्थिति होगी। उन्होंने ये बातें कृषि, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक विस्तृत भाषण के दौरान कहीं। ट्रंप ने बार-बार कहा कि ऊर्जा की कम कीमतें किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी जिक्र किया और दावा किया कि ईरान की नौसेना की संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस अभियान को अमेरिकी सैन्य ताकत का सबूत बताया और कहा कि संघर्ष के दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। उन्होंने कहा कि ऐसी नाकाबंदी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी भी ईरान से जुड़े 'अधूरे कामों' को निपटा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ईरान में कुछ अधूरे कामों को ठीक कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था।

अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के संभावित विदेशी सैन्य सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी की मारक मिसाइलें, विमान सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश विभाग ने की है। सबसे बड़ा पैकेज कुवैत के लिए है, जिसे मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएसए) के प्लेटफॉर्म और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1.98 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से कुवैत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा, क्योंकि इससे उसे मानवरहित हवाई प्रणालियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक और गतिज मारक क्षमताएं मिलेंगी। इस पैकेज में रोडरनर-म्यूनिशन और एनविल-काइनेटिक प्लेटफॉर्म, लॉन्च बॉक्स, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम, सेंट्री टावर, समुद्री सेंट्री टावर, विद्युत चुम्बकीय युद्ध प्रणाली, सामरिक संचालन केंद्र, जनरेटर, प्रशिक्षण, सॉफ्टवेयर विकास और रसद सहायता शामिल हैं।

कुवैत को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा स्थित अंदुरिल कंपनी होगी। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने डेनमार्क को 200 एजीएम-158 जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइलों (जेएएसएसएम-ईआर) और संबंधित उपकरणों की 842 मिलियन डॉलर की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है।

विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री डेनमार्क की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे रॉयल डेनिश वायु सेना (आरडीएएफ) को लंबी दूरी के सटीक हमले करने की क्षमता मिलेगी और आरडीएएफ के एफ-35 विमानों की क्षमता मजबूत होगी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो स्थित लॉकहीड मार्टिन डेनमार्क को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार होगा। यूनाइटेड किंगडम को भी लगभग 160 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है। ब्रिटेन के अनुरोध में 36 गार्जियन लेजर टरेट असेंबली और 18 एएन/एएक्यू-24(वी)एन बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर सिस्टम प्रोसेसर प्रतिस्थापन के साथ-साथ मिसाइल चेतावनी सेंसर, सहायक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स सहायता शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से बड़े हवाई प्लेटफार्मों को आधुनिक सुरक्षा प्रदान करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए यूनाइटेड किंगडम की क्षमता में सुधार होगा और रॉयल एयर फोर्स की परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी। ब्रिटेन को होने वाली इस बिक्री का प्रमुख ठेकेदार वर्जीनिया के आर्लिंगटन स्थित बोइंग कंपनी होगी। विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित बिक्री से संबंधित क्षेत्रों में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा और अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिकी विदेश सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो द्वारा ये अधिसूचनाएं जारी की गईं। कांग्रेस को अधिसूचना मिलने का मतलब यह नहीं है कि अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए हैं, लेकिन इससे प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो जाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com